सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 336 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 18 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रायपुर-टू-राजिम मेमू ट्रेन शुरू, सीएम साय ने दिखाई हरी झंडी, डेढ़ घंटे में पूरा होगा सफर

सप्ताह के सातों दिन चलेगी ट्रेन, 2.50 लाख लोगों को मिलेगा फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर-राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन (68766/68767) की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरूवार को राजिम रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नई रेल सेवा शुरू करने का फैसला लिया है। यह ट्रेन हर दिन दोनों तरफसे चलेगी। जिससे राजिम और रायपुर के बीच आना-जाना आसान होगा।

यह ट्रेन हर दिन दोनों तरफ से चलेगी। जिससे राजिम और रायपुर के बीच आना-जाना आसान होगा। डेढ़ घंटे में सफर होगा। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, रायपुर से राजिम रोजाना 2 हजार लोग यात्रा करते हैं। इस इलाके के ढाई लाख लोगों को इसका लाभ मिलेगा। ट्रेन के शुरू होने से उन्हें राहत मिलेगी। यह रेलवे प्रोजेक्ट 1500 करोड़ का है। रेल अधिकारियों ने बताया कि अब तक 68760/68761 और 68762/68763 रायपुर-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेनें चल रही थीं। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसका परिचालन राजिम तक बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही नई स्पेशल ट्रेन 06767 राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर सेवा का शुभारंभ गुरुवार को राजिम रेलवे स्टेशन से किया गया। अगले दिन यानी 19 सितंबर से यह सेवा नियमित समय-सारणी पर चलेगी।

दैनिक यात्रियों को मिलेगा फायदा

नई ट्रेन में कुल 8 कोच होंगे, जिनमें 6 सामान्य श्रेणी और 2 पावर कार (मशीनरी से सुसज्जित डिब्बे) शामिल हैं। यह ट्रेन दैनिक संचालन में रायपुर और राजिम के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ा सहारा बनेगी। खासकर कामकाजी लोगों और स्टूडेंट्स को सीधा लाभ मिलेगा, जिन्हें पहले रायपुर से राजिम पहुंचने में अतिरिक्त साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस सेवा के शुरू होने से न सिर्फ यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, बल्कि राजिम क्षेत्र के लोगों को राजधानी रायपुर से बेहतर कनेक्टिविटी भी मिलेगी। रेलवे का कहना है कि आने वाले समय में मांग और सुविधा के अनुसार अन्य रूटों पर भी विस्तार की संभावना है।

रायपुर से राजिम

सुबह 4:45 बजे रायपुर स्टेशन से रवाना होगी।
मंदिर हसौद - 5:03 बजे
सीबीडीपीएच - 5:15 बजे
केंद्री - 5:30 बजे
अभनपुर - 5:43 बजे
माणिकचौरी पीएच - 5:56 बजे
ट्रेन सुबह 6:20 बजे राजिम पहुंचेगी।

राजिम से रायपुर

ट्रेन सुबह 6:45 बजे राजिम स्टेशन से छुटेगी।
माणिकचौरी पीएच - 6:59 बजे
अभनपुर - 7:13 बजे
केंद्री - 7:26 बजे
सीबीडीपीएच- 7:41 बजे
मंदिर हसौद - 7:53 बजे

राजिम के लिए ऐतिहासिक क्षण : सीएम साय

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज दिन राजिम के लिए ऐतिहासिक है। रायपुर से राजिम की रेल सेवा से स्थानीय लोगों को काफी फायदा मिलेगा। राजिम तक ट्रेन सेवा शुरू होने से छत्तीसगढ़ के विकास में नया आयाम जुड़ा है। तीर्थ नगरी राजिम के लोगों को इसके लिए बधाई। सीएम साय ने कहा कि 8 साल पहले नैरो गेज धमतरी से चल रही थी अब इसे ब्राडगेज में बदल दिया गया है। इस रेल सेवा से ढाई लाख लोगों को फायदा होगा। भारत सरकार से छत्तीसगढ़ प्रदेश को भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। वर्तमान में 45 हजार करोड़ के काम रेलवे के हो रहे हैं । प्रदेश के 32 रेलवे स्टेशनों का जिर्णोद्धार हो रहा है। रायपुर रेलवे स्टेशन को 400 करोड़ से भी ज्यादा की लागत से एयरपोर्ट की तरह डेवलप किया जा रहा है। इसके अलावा खरसिया-नया रायपुर-राजनांदगांव व जगदलपुर रावघाट रेल लाइन को भी मंजूरी मिल गई है। सीएम साय ने मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

खास-खबर

भिलाई में राइस मिलर सुधाकर के घर पर ईडी की रेड, 140 करोड़ के कस्टम मिलिंग घोटाले में एक्शन

भिलाई। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 140 करोड़ रुपए के कस्टम मिलिंग घोटाला केस में ईडी(प्रवर्तन निदेशालय) ने भिलाई के हुडको और तालपुरी इलाके में छापेमारी की है। राइस मिलर सुधाकर राव के घर पर श्वष्ठ की टीम दस्तावेज खंगाल रही है। राव घोटाले में सहयोगी रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 6 बजे ईडी की 4 सदस्यों की टीम सुधाकर राव के घर पहुंची है। ईडी की टीम दस्तावेजों और लेन-देन से जुड़े कागजों की छानबीन कर रही है। माना जा रहा है कि इस कार्रवाई के बाद घोटाले में और बड़े नामों का खुलासा हो सकता है। दरअसल, इससे पहले आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने इस घोटाले में मुख्य आरोपी रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और रायपुर के होटल कारोबारी अनवर ढेबर को गिरफ्तार किया था। दोनों से पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर ही ईडी ने भिलाई में छापेमारी की है।

ईडी ने कस्टम मिलिंग स्कैम में मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी सहित 5 पर स्नद्बक्र दर्ज कराई है। आरोप है कि 140 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध वसूली की गई। इसमें अफसरों से लेकर मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी तक शामिल हैं। अलग-अलग राइस मिलर्स नागरिक आपूर्ति निगम और एफसीआई में कस्टम मिलिंग का चावल जमा कराते थे। इस प्रकिया में भ्रष्टाचार कर प्रति क्विंटल के हिसाब से अवैध राशि की वसूली की गई। जांच में पता चला है कि एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर लेवी वसूलते और अफसरों को जानकारी देते थे। रुपए नहीं मिलने पर उनका भुगतान रोक दिया जाता था।

मुंगेली की तीन सिंचाई योजनाओं के लिए 11.80 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मुंगेली जिले की तीन सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 11 करोड़ 80 लाख 9 हजार रूपए स्वीकृत किए हैं। स्वीकृत योजना में विकासखण्ड लोरमी के अंतर्गत मनियारी जलाशय के डी-1 मुख्य नहर की मसना माईनर के लाईनिंग कार्य हेतु तीन करोड़ 32 लाख 74 हजार रूपए स्वीकृत किए है। योजना के कार्य पूर्ण होने पर योजना का रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 502 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो जाएगी।

इसी प्रकार से भरतसागर जलाशय की मुख्य नहर तथा माईनर नहर में सीसी लाईनिंग और पक्के कार्यों की मरम्मत के लिए 4 करोड़ 19 लाख 93 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इस योजना के कार्य पूर्ण होने पर रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 713 हेक्टेयर में 180 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होने लगेगी।

विकासखण्ड तखतपुर के अंतर्गत मनियारी नदी पर अमलीकांपा एनीकट से सिंचाई करने हेतु ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई योजना के निर्माण कार्य हेतु 4 करोड़ 28 लाख 32 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण होने पर सोलर पंप प्रणाली के माध्यम से 160 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

मुठभेड़ में मारे गए चार नक्सली, बीजापुर व कांकेर में एनकाउंटर, हथियार बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर व कांकेर जिलों में सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर हो गए हैं। बीजापुर में दो और कांकेर महाराष्ट्र बार्डर पर गढचिरौली में 2 महिला नक्सलियों का सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। सभी चारों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं मौके से जवानों ने भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किया है। डीआईजी कमलोचन कश्यप ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

दरअसल बीजापुर पुलिस को सूचना मिली कि गंगालूर इलाके के जंगलों में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद डीआरजी, एसटीएफऔर कोबरा बटालियन के जवानों ने सर्चिंग शुरू की। बुधवार दोपहर 3 बजे के बाद नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग की और जवाबी फायरिंग में दो नक्सली ढेर हो गए। दोनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मौके से एक 303 राइफल, एक बीजीएल लॉन्चर और विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

कांकेर-महाराष्ट्र सीमा पर 2 महिला नक्सली ढेर

मुठभेड़ की कड़ी में बुधवार को ही कांकेर-महाराष्ट्र सीमा पर गढ़चिरौली जिले के गट्टा जाबिया में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें जवानों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। यहां सी-60 और सीआरपीएफ के जवान नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे। मौके से एके-47, राइफल और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की है। महिला नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है।

12 नक्सलियों ने किया सरेंडर

बुधवार को नारायणपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पांच महिला सहित कुल 12 माओवादियों ने आज पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान बीएसएफ और आईटीबीपी के अधिकारी मौजूद रहे। सरेंडर किए सभी माओवादियों पर 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अबूझमाड़ में नये कैंप की स्थापना और लगातार नक्सल विरोधी अभियान के चलने से माआवोदी बैकफुट पर हैं।

खुर्सीपार में आधी रात को विवाद के बाद युवक की हत्या

■ **राजेन्द्र प्रसाद नगर की घटना, आरोपी की तलाश में पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के राजेन्द्र प्रसाद नगर में बीती रात आपसी विवाद के बाद युवक की हत्या कर दी गई। मृतक व आरोपी एक ही मोहल्ले के बताए जा रहे हैं। आधी रात को हुए विवाद के बाद आरोपी ने युवक को चाकू से गोद दिया और फरार हो गया। गंभीर हालत में युवक को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान एस कामेश राव (32) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार की रात 11.30 बजे एस कामेश राव अपने दोस्त योगेन्द्र सिंह के साथ बैठकर बातें कर रहा था। इस दौरान उसी मोहल्ले का रहने वाला सुरेन्द्र महानन्द पहुंचा और योगेन्द्र से विवाद करने लगा। कामेश ने बीच बचाव किया लेकिन विवाद बढ़ता ही गया। सुरेन्द्र महानंद ने बोल्डर से मारने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुआ। इसके बाद सभी चले गए।

इसके कुछ देर बाद कामेश राव टहलने निकला तो सुरेन्द्र महानंद ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गया। गंभीर हालत में एस कामेश को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है आरोपी सुरेन्द्र का योगेन्द्र से पुराना विवाद था जिसके कारण उसने बुधवार रात को विवाद किया। सुरेन्द्र के खिलाफखुर्सीपार थाने में पूर्व में भी अपराध दर्ज है और जो कि योगेन्द्र ने ही दर्ज कराया था। इसी बात को लेकर योगेन्द्र सिंह से आरोपी सुरेन्द्र महानंद रंजिश रख रहा था जो कि बीती रात के विवाद व हत्या का कारण बन गया।

पीएम मोदी ने की नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात

■ **शांति बहाली में समर्थन का वादा दोहराया**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर ट्वीट किया, 'नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।'

यह बातचीत 8 सितंबर को हिंसक झड़पों और विरोध प्रदर्शनों की वजह से संसद भंग होने के बाद सुशीला कार्की की ओर से नेपाल में अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के कुछ दिनों बाद हुई है। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से जेनरेशन जेड युवा कार्यकर्ताओं ने किया था। प्रदर्शन भ्रष्टाचार, जवाबदेही की कमी और राजनीतिक अभिजात वर्ग की कथित विफलता को लेकर बढ़ती निराशा से उपजे थे। आंदोलन तत्कालीन नेपाली सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के बाद शुरू हुआ था।

नेपाल में प्रदर्शन के बाद बदले हालात

नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश और अब पहली महिला प्रधानमंत्री कार्की को जेनरेशन जेड के नेतृत्व वाले आंदोलन का समर्थन प्राप्त है, जिसने पिछले कुछ दिनों में देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। वह 5 मार्च, 2026 तक इस पद पर रहेंगी, जिसके बाद इस पद के लिए नए चुनाव होंगे, जिनका चयन निर्वाचित संसद द्वारा किया जाएगा।

जिन्दगी कितनी बड़ी होनी चाहिए

श्रीकंचनपथ

विज्ञान की तरक्की के साथ ही दुनिया भर में जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। धरती पर इंसानों का बोझ भी बढ़ रहा है। आबादी पर आए दिन नए आंकड़े आ रहे हैं। साथ ही ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि दुनिया की आबादी आने वाले पांच सालों में या 20 सालों में कितनी हो जाएगी। कोई कहता है कि आबादी आधी रह जाएगी तो कोई कहता है कि आबादी कुछ और बढ़कर वापस उतनी ही हो जाएगी जितनी आज है। एक तरफ कुछ लोग जहां आयुर्वेद और योग के सहारे जिन्दगी को लंबी करने में जुटे हुए हैं तो वहीं दूसरी तरफकुछ लोग जीवन की गुणवत्ता पर बातें कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन्दगी आखिर कितनी लंबी होनी चाहिए। दार्शनिकों की मानें तो जिन्दगी लंबी नहीं बड़ी होनी चाहिए। ऐसे में फिल्म 'ताल' का एक गीत बरबस याद आ जाता है। इस गीत में आनंद बख्शी के शब्दों को एआर रहमान ने संगीतबद्ध किया और इसे आवाज दी सुखविन्दर सिंह और अलका याग्निक ने। गीत के बोल हैं, मैं प्रेम दा प्याला पी आया, एक पल में सदियाँ जी आया। सारी मधुशाला पी आया, एक पल में सदियाँ जी आया। मैं पी आया। लगभग सभी इंसानों के जीवन में एक मोड़ ऐसा आता है जब वह जरा ठहरकर, पीछे मुड़ता है और उन पलों को याद करने की कोशिश करता है जब उसने एक पल में पूरी सदी जी ली थी। आज किस्सा एक ऐसी महिला का जिसका 54 की उम्र में तलाक हो गया। वह कनाडा से भारत लौट आई और यहां 34 साल के एक ऐसे युवक से प्यार कर बैठी जिसने शादी न करने की कसम खा रखी थी। परिवार के लाख विरोध के बावजूद दोनों ने विवाह कर लिया। अब उन्हें खुश देखकर उनके परिवारों ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। एक ऐसी ही घटना कुछ समय पहले भी सामने आई थी। कोलकाता की एक साइंस टीचर को अपने से 9 साल छोटे छात्र से प्यार हो गया। वह उसे ट्यूशन देती थी। दोनों के घर आमने सामने थे। उनके विवाह को पांच साल हो गए और वो खुश हैं। ओड़ीशा के ही रायगढ़ा जिले के बाइगांगुड़ा गांव की एक दिव्यांग युवती से जीराउत घाटी गांव के एक दिव्यांग को प्यार हो गया। दोनों की मुलाकात एक दिव्यांग सम्मेलन में हुई थी। अलग-अलग हादसों ने दोनों से उनकी जिन्दगी छीन ली थी। सामाजिक बंधनों को तोड़कर उन्होंने विवाह कर लिया। युवती आदिवासी थी और युवक दलित। युवती के परिवार के 40 लोगों ने इसके बाद मुंडन करा लिया और युवती की जीते जी अंत्येष्टि कर पंडदान कर दिया। अन्यथा उन्हें बिरादरी से बाहर कर दिया जाता। इस तरह के सैकड़ों प्रसंग मिल जाएंगे जब लोगों ने अपने लिए लंबी नहीं बल्कि बड़ी जिन्दगी चुनी। कानून तो समानता का अधिकार देता है पर क्या समाज भी तैयार है?

संपादकीय

एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति मजबूत

उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहां राजनीति से ऊपर उठ कर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। इस जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करती है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करती है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाती है, जहां व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्त्व मिलेगा। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है, जहां वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक-वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। कहा जा सकता है कि चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक जमीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 4 सीटें मिलीं जबकि एनडीए गठबंधन को 66 सीटों पर सफलता मिली। स्पष्ट है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ कमजोर है, और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बना कर रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है।

> “ सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार एवं तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की। यह ऐतिहासिक घटना भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का भी संकेत है। राधाकृष्णन का चुना जाना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक-राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी जोड़े।

संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन के चुने जाने से भाजपा को उम्मीद है कि विधानसभा चुनावों में वह अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उनका कार्यालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देते हैं। इस पद को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊंचाई दी तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदशरे का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्त्व का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है।

रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्ज्वल परंपरा को बढ़ाने का संकेत है। यह बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं, बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है, जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति पद निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बना रहे। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्य सभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति पद का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक-राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका जीवन कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को शक्ति के रूप में नहीं देखा, बल्कि सेवा और कर्त्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे सत्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहे हैं, तो आशा की जा सकती है कि संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊंचाई देंगे।

मोदी का ट्रैम्पोलिन - क्या हम छलांग लगा पाएंगे?

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

पिछली शताब्दियों में मानवता ने जो चुनाव किए हैं, वे हमें संकट की कगार पर लेकर आए हैं। जिस तरह से हमने अपनी अर्थव्यवस्थाओं, अपने पर्यावरण और पारिस्थितिकी, अपनी शिक्षा और सामाजिक व्यवस्था, अपने युवाओं और अगली पीढ़ी के पालन-पोषण को संभाला है, उसने हमें हमें इस अस्थिर स्थिति तक पहुंचा दिया और दुनिया को संकट की दहलीज पर ला खड़ा किया है। आज अलग-अलग जगहों पर युद्ध, अस्थिर आर्थिक ढांचे, तेज़ी से बिगड़ती पारिस्थितिकी और बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं, मानसिक स्वास्थ्य महामारी और नशे की लत जैसी समस्याएं, ये सब इसके प्रमाण हैं।

इसका मतलब विनाश और निराशा की तस्वीर पेश करना नहीं है। बदलाव की स्थिति, दरअसल संभावनाओं की स्थिति होती है। आज जो फैसले हम करेंगे, वे हमें या तो बड़े परिवर्तन की ओर ले जा सकते हैं या फिर पतन की ओर धकेल सकते हैं। 8.5 अरब की आबादी के साथ हम एक भारी-भरकम मानव जाति हैं, लेकिन अभी तक उस चेतना के स्तर तक नहीं पहुंचे हैं, जहां हम एकजुट होकर सामूहिक निर्णय ले सकें।

हम सरकारों, क़ानूनों और नेतृत्व पर भरोसा करते हैं कि वे पूरी दुनिया को दिशा दें। ऐसे समय में यह बहुत अहम है कि हम अपने लिए किस तरह का नेतृत्व चुनते हैं। अगर हम पृथ्वी का एक टिकाऊ और सुंदर भविष्य चाहते हैं, तो हमें 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श को सही मायने में अपनाना होगा। यह उपयुक्त है कि भारत, जिसने हमेशा सबको जोड़कर रखने की भावना को महत्व दिया है, ने नरेंद्र मोदी जैसे नेता को चुना है, जो इन मूल्यों को गहराई से मानते हैं। कई मायनों में भारत ने ऐसा नेतृत्व सामने रखा है जो उसकी आत्मा, उसकी संस्कृति और संस्कारों से मेल खाता है। यह बहुत ज़रूरी है। सिर्फ इसलिए नहीं कि समावेशिता सही रास्ता लगती है, बल्कि इसलिए कि आने वाले समय में समावेशिता ही एकमात्र रास्ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार दुनिया के सामने एक अधिक समावेशी और सहयोगी मानवता का रास्ता दिखाया है। अफ़्रीकन यूनियन को त्र20 में शामिल कराने की पहल हो, ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की भूमिका, 'वन वर्ल्ड, वन सन, वन ग्रिड' जैसी विशाल नवीकरणीय ऊर्जा योजना, पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देने की नीति, संकट के समय सबसे पहले मदद पहुंचाने वाला देश बनना, या फिर महामारी के दौरान 96 देशों को मानवीय सहायता देना, इन सबमें भारत ने यह साबित किया है कि असली मायने काम में होते हैं, और हम छोटे-छोटे निजी लाभ की अपेक्षा मानवता को अधिक महत्व देते हैं।

समावेशिता का यह गुण नरेंद्र भाई की नेतृत्व शैली में भी स्पष्ट दिखाई देता है। 'मन की बात' पहल शासन की विशाल व्यवस्था में भले ही एक छोटा हिस्सा लगे, लेकिन इसका संदेश गहरा है। आम नागरिक से सीधा संवाद करके वे उनकी कहानियों, संघर्षों और योगदान को पहचानते और सम्मानित करते हैं। यही जुड़ाव उन्हें ज़मीन से जोड़े रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि उनकी नीतियां जनता की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

मैं योग को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी भूमिका की गहराई से सराहना करता हूं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा करवा कर उन्होंने योग के प्रति दुनिया में अद्भुत रुचि जगाई है और यह बताया है कि योग मनुष्य के जीवन में कितनी भलाई ला सकता है। आज के समय में यह और भी जरूरी है, क्योंकि योग की विधियां मानसिक और शारीरिक चुनौतियों से निपटने का सबसे असरदार उपाय हैं। हर इंसान के लिए यह आवश्यक है कि वह रोज़ कम से कम कुछ मिनट योग या ध्यान को अपनाए, ताकि अपने भीतर स्थिरता और विकास का मजबूत आधार बना सके।

भारत का सभ्यता-राज्य आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से वह अपनी असली क्षमता को पहचानकर एक गौरवशाली भविष्य की ओर बढ़ सकता है। अब तक हमने अपनी आर्थिक प्रगति में अभूतपूर्व कार्य और प्रगति देखी है, बुनियादी ढाँचे, अंतरिक्ष, रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में तेजी देखी है। साथ ही, हम आत्मनिर्भरता, भू-राजनीतिक लचीलेपन और शक्ति की दिशा में अपनी नीतियों के कुशल संचालन के भी साक्षी रहे हैं।

हालांकि, एक राष्ट्र के रूप में हमें अभी भी बहुत कुछ करना है। आने वाली पीढ़ी का सही मार्गदर्शन और पोषण हमारे विकास की कुंजी है। हम नहीं चाहते कि भारत की बढ़ती युवा आबादी इस सुनहरे अवसर को खो दे। अब समय आ गया है कि हम समाजवाद के अधूरे आदर्शों की आखिरी बेड़ियां तोड़ दें, जिन्होंने पिछले दशकों को जकड़ रखा था, और भारत के नागरिकों को अपने भविष्य के निर्माता बनने के लिए आमंत्रित करें। बुनियादी ढांचे से लेकर एआई तक, व्यापार से लेकर रक्षा तक, शिक्षा से लेकर उद्योग तक, हमें जनता को इसे सुपरसोनिक गति से आगे बढ़ाने का काम सौंपना होगा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान शासन द्वारा यह विश्वास वास्तव में प्रदर्शित किया जा रहा है, लेकिन असली परीक्षा लोगों द्वारा इस विश्वास को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करने और अपनी क्षमता साबित करने की है।

भारत में न केवल अपने सच्चे गौरव के युग में प्रवेश करने की क्षमता है, बल्कि मानवता को उस युग में ले जाने की भी क्षमता है। हमारे पास एक योग्य, साहसी और निस्वार्थ व्यक्ति है, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि राष्ट्र केवल ज़मीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोग ही उसका असली रूप होते हैं। यह भारत के नागरिकों पर निर्भर है कि वे सुशासन और अवसर के मंच का उपयोग करके अपने इच्छित स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करें। आइए, इसे साकार करें!

हिमाचल प्रदेश से नरेन्द्र मोदी का अटूट रिश्ता

प्रेम कुमार धूमल

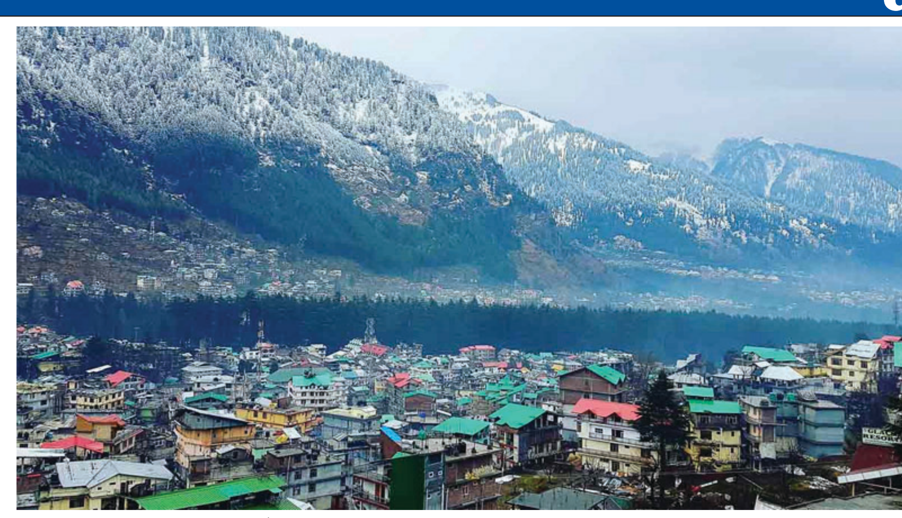

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा – एक समर्पित कार्यकर्ता से लेकर देश के सर्वोच्च नेतृत्व तक – भारत के विभिन्न अंचलों से उनके गहरे जुड़ाव की कहानी है। इन जुड़ावों में से एक विशेष व्यक्तिगत, राजनीतिक और आध्यात्मिक संबंध हिमाचल प्रदेश से रहा है। देवभूमि, वीरभूमि और अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य की धरती। देश की बागडोर संभालने से बहुत पहले ही, नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल की पवित्र वादियों पर अपनी छाप छोड़ दी थी।

मोदी का हिमाचल से औपचारिक जुड़ाव वर्ष 1994 में हुआ, जब उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया। नियुक्ति से पहले भी उनकी हिमाचल यात्राएँ आध्यात्मिक साधना और स्थानीय संस्कृति से गहरे संपर्क का माध्यम रही थीं। वे शिमला के जाखू और संकटमोचन मंदिरों में अक्सर जाया करते थे और मार्ग में बंदरों को खिलाने के लिए चना और गुड़ अपने साथ रखते थे – यह उनके जीवों एवं प्रकृति के प्रति करुणा भाव का परिचायक था।

1998 का विधान सभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं हिमाचल से उनके जमीनी जुड़ाव का परिचायक रहा। उस दौर में न सोशल मीडिया था और न आधुनिक प्रचार साधन, फिर भी उन्होंने कहीं यात्राएँ निकालीं और जनसंपर्क के अभिनव तरीके खोज निकाले एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाया। साथ ही स्थानीय संस्कृति को सम्मान देते हुए अनोखे स्वागत द्वार बनवाए। चंबा में उनकी ही पहल पर बना 'गद्दी शॉल गेट' न सिर्फ स्थानीय गौरव का प्रतीक बना, बल्कि भाजपा का संदेश सीधे जनता के दिल तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम सिद्ध हुआ।

हिमाचल से नरेन्द्र मोदी का जुड़ाव केवल संगठन और राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की प्रकृति और लोगों से उनका गहरा आत्मीय संबंध भी समय-समय पर सामने आया है। नरेन्द्र मोदी अकसर हिमाचल प्रदेश में बिजली महादेव के दर्शन करने को जाते थे, जो वहाँ के स्थानीय देवता हैं। मार्ग में वह ग्रामीणों से सहजता से बातचीत करते और उनके अनुभवों व परिस्थितियों को समझने में रुचि दिखाते थे। मंदिर पहुँचने के बाद मोदी न केवल दर्शन करते, बल्कि आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद भी लिया करते थे।

उन्होंने हिमाचल भाजपा संगठन को मजबूती और नई ऊर्जा देने में अहम भूमिका निभाई। कार्यकर्ताओं को राजनीति में अधिक अनुशासित, संगठित और गंभीर बनाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। पुराने कार्यकर्ता याद करते हैं कि प्रभारी के रूप में उन्होंने सबसे पहले प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक, जो पहले आधे दिन की औपचारिक प्रक्रिया हुआ करती थी, उसे दो दिन की आवासीय पद्धति में बदल दिया। यही कदम संगठन को सशक्त करने की मजबूत नींव बना। उन्होंने हिमाचल के भाजपा संगठन को मजबूत बनाने और उसमें नई ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को राजनीति में अधिक व्यवस्थित और गंभीर दृष्टिकोण अपनाने के लिए तैयार किया। एक वरिष्ठ कार्यकर्ता स्मरण करते हैं कि प्रभारी के रूप में आते ही उन्होंने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक, जो पहले केवल आधे दिन की औपचारिकता होती थी, उसे दो दिन का आवासीय कार्यक्रम बनाकर संगठन को मजबूत करने की ठोस नींव रखी।

उन्होंने हिमाचल संगठन में कार्यकर्ताओं से सहयोग लेकर कार्य करने की परंपरा की शुरुआत की, जिसका जीवंत उदाहरण शिमला का कार्यालय 'दीपकमल' है। इसका निर्माण और उद्घाटन उनके प्रभार काल में हुआ, जिसमें उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी माता जी उनको खर्च करने के लिये जो पैसे देती थी, प्रदेश कार्यालय निर्माण के लिये उन्होंने वो पैसे पार्टी को दे दिये जिसके कारण अन्य कार्यकर्ता भी योगदान देने के लिये प्रेरित हुये। उन्होंने न केवल कार्यालय के निर्माण में मार्गदर्शन और सहयोग दिया, बल्कि हिमाचल के कार्यकर्ताओं को इसे कंप्यूटर के उपयोग के साथ आधुनिक स्वरूप देने के लिए भी प्रेरित और प्रशिक्षित किया।

जब 1998 में हिमाचल विधानसभा समय से पहले भंग हुई, तब मोदी की राजनीतिक सूझबूझ ने सबको चकित कर दिया। उन्होंने भाजपा और हिमाचल विकास कांग्रेस (एचवीसी) के बीच गठबंधन कराया, निर्दलीय विधायक का समर्थन सुनिश्चित किया और यहाँ तक कि कांग्रेस नेता ठाकुर गुलाब सिंह को स्पीकर पद के चुनाव में उतरने के लिए तैयार कर लिया। इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस की संख्या घटी और प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व में भाजपा-एचवीसी सरकार का गठन संभव हो सका। यह उनके अद्वितीय रणनीतिक कौशल का प्रमाण था।

हिमाचल से उनका संबंध केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा। यहाँ से मिली सीख को उन्होंने आगे भी लागू किया। सोलन की मशरूम खेती को उन्होंने बाद में गुजरात में प्रोत्साहन दिया। विश्वविद्यालयों में रक्षा और सामरिक अध्ययन शुरू करने का सुझाव दिया, ताकि हिमाचल की सैनिक परंपरा को शैक्षिक आधार मिले। नरेन्द्र मोदी ने पैराग्लाइडिंग करना भी हिमाचल प्रदेश से ही सीखा। राजनीति से परे, मोदी सदैव हिमाचल को 'देवभूमि' मानते रहे। वे पहाड़ी मंदिरों में पेड़ों के नीचे बैठकर लंबे समय तक ध्यान साधना करते थे। प्रकृति और ईश्वर के प्रति उनकी गहरी आस्था उनके जीवन और कार्यशैली दोनों में झलकती थी। वे हिमाचली भोजन के विशेष शौक़ीन हैं – मंडी की सेपू बड़ी, चंबा का मधरा और कांगड़ा की धाम उनकी पसंदीदा व्यंजनों में गिने जाते हैं। स्थानीय संस्कृति के प्रति यह आत्मीयता उन्हें हिमाचलवासियों के और करीब लाती है।

उनकी स्मरण शक्ति भी इस जुड़ाव को और विशेष बनाती है–वर्षों पुराने कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को वे आज भी नाम लेकर पहचानते हैं। 2017 में शिमला के एक कार्यक्रम में उन्होंने मंच से कई पुराने साथियों को नाम लेकर संबोधित किया और कार्यक्रम के बाद इंडियन कॉफी हाउस पहुँचकर वहाँ की कॉफी का आनंद लिया, जिसका जिक्र उन्होंने अपने संबोधन में भी किया था। 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सोलन में उन्होंने मंच से पुराने दिनों को याद करते हुए मनोहर जी के चनों का भी उल्लेख किया। ऐसे प्रसंग यह दर्शाते हैं कि हिमाचल से नरेन्द्र मोदी का रिश्ता केवल कर्तव्य तक सीमित नहीं, बल्कि उनकी स्मृतियों, रुचियों और जीवन के अनुभवों का हिस्सा है–और इस रिश्ते के और भी पहलू समय-समय पर सामने आते रहते हैं।

आज प्रधानमंत्री के रूप में वे हिमाचल को विशेष प्राथमिकता देते हैं–चाहे वह रोहतांग टनल का निर्माण हो या पर्यटन एवं आधारभूत ढाँचे का सुदृढ़ीकरण। हिमाचल ने नरेन्द्र मोदी को अपनेपन, विश्वास और सीख दी, और बदले में मोदी ने हिमाचल को नई ऊर्जा, विकास और गौरव की पहचान दी। यही रिश्ता इस अनोखे अध्याय को पूर्णता भी देता है और भविष्य के लिए संभावनाओं का द्वार भी खोलता है।

बेहद चमत्कारी है देहरादून का सहस्त्रधारा झरना, दवा का करता है काम

सपना सिंह

उत्तराखंड के देहरादून को पहाड़ों की रानी मसूरी जाने का प्रवेश द्वार भी कहते हैं। शहर से 15 किमी दूर सहस्त्रधारा है। ये जगह प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए मशहूर है। यहां की जलधारा, औषधीय गुणों और आध्यात्मिक महत्व की वजह से पर्यटकों को लुभाती रही है। सहस्त्रधारा का अर्थ है हजारों धाराओं का संगम, यहां पहाड़ों से झरने के रूप में गिरती जलधाराओं का नजारा बेहद ही खूबसूरत लगता है।

सहस्त्रधारा समुद्र तल से करीबन 600 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है। यहां चारों ओर फैली हरियाली, चूना-पत्थर की गुफाएं और झरनों से बहता साफपानी, मन को शांति और सुकून देता है। चलिए जानते हैं उस जगह के बारे में जहां के एक विकराल रूप ने तबाही मचा दी।

सहस्त्रधारा की सबसे बड़ी खासियत है यहां का पानी, जिसमें गंधक की प्रचुर मात्रा रहती है, कहते हैं इस पानी में नहाने से त्वचा से जुड़े हर रोग और गठिया जैरी बीमारियां दूर होती हैं। स्थानीय लोग इस औषधीय झरना भी कहते हैं। यही वजह है कि सहस्त्रधारा केवल टूरिस्ट प्लेस ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फेमस है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सहस्त्रधारा का संबंध ऋषि धौली से जुड़ा है। माना जाता है ऋषि ने यहां तपस्या की थी और उनके आशीर्वाद से ये जगह औषधीय गुणों से युक्त है। कुछ कथाओं में इसे भगवान शिव से भी जोड़ा जाता है, क्योंकि यहां की गुफाओं में शिवलिंग स्थापित हैं। ये धार्मिक महत्व भी सहस्त्रधारा को और भी अधिक खास बनाता है।

महाभारत से भी है इसका संबंध

सहस्त्रधारा से जुड़ी कई पौराणिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है महाभारत काल में पांडवों के गुरु द्रोणाचार्य ने इसी क्षेत्र में आकर तपस्या की थी। इसी वजह से इस जगह का नाम देहरादून पड़ा, जिसका अर्थ है- द्रोण की देहरी। महाभारत युद्ध के बाद जब पांडव अपराधबोध और पश्चाताप से घिर गए थे, तो वे देवताओं और पितरों की शांति के लिए यहां पवित्र जल अर्पित करने आए। कुछ मान्यताओं के अनुसार, युधिष्ठिर ने विशेष रूप से सहस्त्रधारा में पूजा-अर्चना कर पितरों की आत्मा की मुक्ति और शांति के लिए प्रार्थना की थी।

यहां रोपवे की भी है सुविधा

आज के टाइम में सहस्त्रधारा को टूरिस्ट प्लेस के रूप में विकसित किया गया है। यहां रोपवे की सुविधा भी है। जो पर्यटकों को ऊपर से पूरे क्षेत्र का खूबसूरत नजारा दिखाती है। सहस्त्रधारा के पास कई छोटे-छोटे झीलनुमा ताल भी बने हुए हैं, जिनमें पर्यटक की भी कमी नहीं है, जिससे ये जगह परिवार के साथ घूमने के लिए सही है।

देहरादून से कैसे जाएं?

सहस्त्रधारा, देहरादून शहर से करीबन 14 किमी दूरी पर स्थित है। यहां आसानी से टैक्सी, ऑटो या निजी वाहन से पहुंच सकते हैं। ये जगह हर मौसम में पर्यटकों को आकर्षित करती है। लेकिन गर्मियों और बरसात में यहां रौनक सबसे ज्यादा रहती है। सहस्त्रधारा केवल एक झरना नहीं है, बल्कि प्रकृति, अध्यात्म और स्वास्थ्य का बेहतरीन संगम भी है। चाहे कोई व्यक्ति रोमांच की तलाश में आए, धार्मिक आस्था से प्रेरित होकर या फिर स्वास्थ्य लाभ से जुड़े लोग यहां सबके लिए यहां कुछ न कुछ है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

पालना केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए 01 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग–शहरी के अंतर्गत पालना योजना के क्रियान्वयन हेतु स्वीकृत केन्द्र के रिक्त कार्यकर्ता/सहायिका के पद पर नियुक्ति किया जाना है। नियुक्ति हेतु आवेदन 01 अक्टूबर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग–शहरी (पता– पांच बिल्डिंग बाल संरक्षण गृह परिसर) में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा कार्यालयीन समय 10 से 5.30 बजे तक (शासकीय अवकाश को छोड़कर) जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। पालना केन्द्र पुलगांव वार्ड क्रमांक 55 में सहायिका, शांति नगर (शक्ति नगर) वार्ड क्रमांक 17 में कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. जाम्बुलकर व जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत 02 से 12 सितम्बर तक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान विभिन्न 08 परियोजनाओं के स्कूलों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों में आयोजित किया गया। दस दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यकम में महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रोकथाम कानून, पॉक्सो एक्ट, करियर गाइडेंस, मोबाइल की उपयोगिता, साइबर काइम से बचाव, घरेलू हिंसा, महिला हेल्प लाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 की जानकारी दी गई।

तिरगा हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं को साइकिल वितरण

दुर्ग। ग्राम तिरगा स्थित दाऊ स्व. प्यारेलाल बेलचंदन हायर सेकेंडरी स्कूल में 17 सितंबर भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। साइकिल वितरण का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करना और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करना रहा। इस अवसर पर छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।
कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व जनपद सदस्य भूपेन्द्र बेलचंदन, जनपद सदस्य दामिनी साहू,प्राचार्या श्रीमती रामटेके मैडम, तथा संकुल समन्वयक रधूनाथ देशमुख सहित विद्यालय परिवार व ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान और विशाल रक्तदान शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा पखवाड़े की शुरुआत जिले में स्वच्छता अभियान और रक्तदान शिविर के साथ की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में 17 सितंबर की सुबह बस स्टैंड परिसर में सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें कैबिनेट गजेंद्र यादव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, सांसद विजय बघेल, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सफाई अभियान में उपस्थित नेताओं ने झाड़ू लगाकर आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और लोगों से अपने जीवन में इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की।
स्वच्छता कार्यक्रम के बाद जिला अस्पताल दुर्ग एवं जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की ओर से विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें युवाओं, महिलाओं और आम जनमानस ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सेवा पखवाड़े में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।
कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा प्रतिवर्ष प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिवस सेवा पखवाड़े के रूप में मनाती है। इसका उद्देश्य सेवा को धरातल तक पहुंचाना और समाज को स्वच्छता व मानव सेवा के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने मोदी जी को विश्व का सर्वमान्य नेता बताते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना की। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का भाव मानव सेवा ही माधव सेवा है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान से शुरुआत कर रक्तदान जैसे कार्यक्रम जरूरतमंदों के जीवन बचाने में सहायक सिद्ध होंगे। सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश परिश्रम और राष्ट्रभक्ति से नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से आग्रह किया कि स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी आधुनिक भारत के शिल्पकार और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। सेवा पखवाड़े के कार्यक्रम समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का माध्यम हैं।
जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि मोदी जी ने देशवासियों को आवास, शौचालय, फ्री राशन, गैस कनेक्शन जैसी योजनाओं से जीवन स्तर को ऊँचा उठाया है। स्वच्छ भारत

अभियान से आज आम नागरिक भी गंदगी फैलाने से पहले सोचने लगे हैं। उन्होंने मोदी जी को निरोगी और दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएँ दीं। सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से शुरू होकर गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान स्वच्छता, स्वास्थ्य, जनकल्याण और सेवा कार्यों की श्रृंखला जिले के सभी 17 मंडलों में आयोजित की जाएगी। आयोजित कार्यक्रमों में जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, विनायक नातू, के.एस. चौहान, मंत्री आशीष निमजे, कोषाध्यक्ष विनोद अरोड़ा, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या कलिहारी, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष साजन जोसफसहित सैकड़ों कार्यकर्ता व समाजसेवी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर दुर्ग जिले में भाजपा द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान और रक्तदान शिविर ने न केवल सेवा पखवाड़े की शुरुआत की, बल्कि जनमानस को स्वच्छता, सेवा और मानवता के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया।

कलेक्टर ने किया तिलक स्कूल दुर्ग में निर्वाचक नामावली मिलान कार्य का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यू

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 64 (दुर्ग शहर) के अंतर्गत तिलक स्कूल के साथ अन्य स्कूल में चल रहे मतदाता सूची (निर्वाचक नामावली) के मिलान कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएलओ को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलान प्रक्रिया को सटीकता से संपन्न करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वर्ष 2003 की मतदाता सूची को वर्ष 2025 की अद्यतन सूची से व्यवस्थित ढंग से मिलान करने के निर्देश दिए। उन्होंने 2003 की सूची के ए और बी मतदाताओं का मिलान 2025 की सूची से करते समय 2025 की सूची में संबंधित मतदाता के सरल क्रमांक के सामने 2003 की सूची का सरल क्रमांक भी अंकित करने को कहा। इसी प्रकार 2003 की सूची में भी 2025 की सूची का

सरल क्रमांक उल्लेखित किया जाए। इससे सूचियों के आपसी मिलान में सरलता होगी तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गूगल शीट प्रपत्र के माध्यम से भी मिलान कार्य अधिक सुगम और सटीक रूप से किया जा सकेगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी बीएलओ समयबद्ध तरीके से और पूर्ण पारदर्शिता के साथ कार्य संपन्न करें, ताकि मतदाता सूची त्रुटिरहित एवं अद्यतन रह सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन फाफाडीह मंडल द्वारा सेवा कार्य के रूप में मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फाफाडीह मंडल के तत्वावधान में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के तहत सेवा कार्यों के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर पारस नगर स्थित शासकीय स्कूल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां स्कूल के सभी विद्यार्थियों को फल वितरण कर प्रधानमंत्री का जन्मदिन सादगी और सेवा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम के

सभापति एवं रमण मंदिर वार्ड–14 के पार्षद सूर्यकांत राठौर जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही MIC सदस्य एवं राजीव गांधी वार्ड–13 के पार्षद महेन्द्र खोडियार, विरांगना अवंतीबाई वार्ड–6 के पार्षद खगपति सोनी जी, तथा शहीद हेमू कालाणी वार्ड–28 की पार्षद श्रीमती कृतिका जैन जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ व कनिष्ठ पदाधिकारी, मंडल, जिला एवं प्रदेश स्तर के कार्यकर्ता, शक्ति केंद्रों के प्रभारी, बूथ अध्यक्षगण, एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। उपस्थित गणमान्यजनों में पूर्व पार्षद विठ्ठल भाई पटेल, गोपाल सोना, कमलेश शर्मा, जितेंद्र गंडेचा, गोपाल ठाकरे, पल्लवी भोसले, श्रीमती ललिता यादव, रोहित पीथलिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।
कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा का स्रोत है, और इस दिन को समाज सेवा के रूप में मनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

विधायक ललित चंद्राकर ने कराया 97 लोगों का गृह प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर रिसाली निगम के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री आवास के 97 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। हितग्राहियों को सांकेतिक चाबी और प्रमाण पत्र दिया।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि अंगीकार 2025 का आज पहला दिन है। यह कार्यक्रम पूरे देश में 31 अक्टुबर तक चलेगा। लोगों को अधिक से अधिक फायदा हो इसलिए प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सूर्यघर और सड़क किनारे खाने पीने का सामान बेचने वालें फुटकर व्यापारियों के

लिए स्वनीधि योजना का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार किया जाएगा। उन्होंने सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को बधाई दी। स्वागत भाषण में निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने बताया कि मोर जमीन मोर मकान योजना के तहत 1810 आवास स्वीकृत है। 1737 आवास वर्तमान में पूर्ण हो गए है। इसके पहले 85 और आज 97 लोगों का गृह प्रवेश कराया जा रहा है। योजना से संबंधित राजकुमारी बघेल, आइरा आनंद, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के सहायक यंत्री रवि कुमार ने जानकारी दी। कार्यक्रम को नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, सभापति केशव बंछोर ने संबोधित किया। इस अवसर पर एमआईसी सनीर साहू, पार्षद मनीष यादव, उप नेता प्रतिपक्ष माया यादव, पार्षद गजेन्द्री कोठारी, सविता ढवस, ईश्वरी साहू, शीला नारखेड़े, सरिता देवांगन, रमा साहू, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनूपम साहू आदि उपस्थि थे।

मानव श्रृंखला बनाने विधायक ने पकड़ा हाथ : दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली निगम में चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने मानव श्रृंखला बनाने हाथ पकड़ा। विधायक ने इसके पहले 100 घंटे सफाई करने का संकल्प भी दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए सभी एक दूसरे का सहयोग करे।

स्वच्छता गाड़ी को दिखाई झंडी: डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए रिसाली निगम ऐसे वाहनों को बदल रहा है जो पूर्ण रूप से खराब है। खराब वाहनों की वजह से कई वार्ड में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्ग ग्रामीण विधायक ने रिक्शा को वार्डो में रवाना करने हरी झण्डी दिखाई।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिलाओं में उत्तम स्वास्थ्य तथा सजगता में वृद्धि कर एक सशक्त समाज और राष्ट्र के निर्माण की परिकल्पना को साकार रूप देने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक स्वस्थ नारी, सषक्त परिवार अभियान मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 17 सितम्बर 2025 को कार्यपालक निदेषक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ रविन्द्रनाथ एम ने भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सेक्टर–9 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ के ठाकुर, डॉ विनीता द्विवेदी, डॉ सौरभ मुखर्जी, डॉ उदय कुमार की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर इस अभियान का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेषक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ रविन्द्रनाथ एम ने चिकित्सालय के समस्त डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के सदस्यों को विष्वकर्मा पूजा की बधाई देते हुए केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की इस पहल की सराहना की एवं कहा कि यह पहल महिलाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। नारी के उत्थान के परिदृष्य से देष के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान का शुभारम्भ किया है। डॉ रविन्द्रनाथ ने कहा कि महिलाएं, घर का केन्द्र होती हैं व एक स्वस्थ और सशक्त महिला ही परिवार को सही दिशा देकर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है। अतः महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने इस अभियान की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया और इस अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।
कार्यक्रम में चर्म एवं असंकरणी रोगों से संबंधित जानकारी अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी. मर्सी द्वारा प्रदान की गई व एडीशनल सीएमओ डॉ. मनीषा कांगो ने सिकल सेल से संबंधित जानकारी दी। वहीं डॉ. पूजा सियाल द्वारा उच्च रक्तचाप, मधुमेह तथा सिकल सेल के संबंध में महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की हीमोग्लोबिन स्तर व सिकल सेल की जांच की गई। स्वास्थ्य जांच करने के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर परामर्श, संतुलित आहार, नियमित जांच और आत्म–देखभाल के महत्व से अवगत कराया गया। इस अभियान के तहत महिलाओं को स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी परामर्श, स्वच्छता के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य, मातृत्व देखभाल की जानकारी प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग द्वारा 'निक्षय मित्र', टी बी उन्मूलन, मिषन लक्ष्मी, महिला सुरक्षा के लिए भी विषेष अभियान चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में महाप्रबंधक शाहिद अहमद, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संबिता पंडा, डॉ मनीषा कांगो व डॉ पी मर्सी, एसीएमओ डॉ. संतोष नशीने, डॉ. अन्नपूर्णा, विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली त्रिवेदी, सीनीयर कंसल्टेंट डॉ. नीना गुहा, डिप्टी सीएमओ डॉ. प्राची मेने, कंसल्टेंट डॉ. दीपक दाशमोहापात्र, साइकियाट्रिस्ट डॉ. राहुल, उप प्रबंधक सुश्री शैला अब्राहम, सहायक प्रबंधक अनुजा सक्सेना सहित चिकित्सालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण, नर्सिंग स्टाफ नर्सिंग स्टूडेंट्स तथा हॉस्पिटल अटेंडेंट्स ने बड़ी संख्या में इस कार्यशाला में अपनी भागीदारी दी।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर स्वच्छता और सेवा कार्यों में जुटे भाजपा पदाधिकारी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ा 2025 के तहत विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के.के. शर्मा ने रायपुर स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। इसके पश्चात मंदिर परिसर एवं वीआईपी रोड पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान %एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत श्रीराम मंदिर परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस आयोजन में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उपस्थित लोगों में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक नंदकुमार साहू, हर्षिता शर्मा, वार्ड पार्षद डॉ. अनामिका सिंह, आकाश विग, मंडल अध्यक्ष भीमवंत निषाद, विनय निर्मलकर, वाल्सल मूर्ति, प्रभा विश्वकर्मा, राजकुमार राठी, विलास सुतार, तोषण साहू, संजय नागर, जितेंद्र नाग सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। उधर, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने सेवा पखवाड़ा की शुरुआत के मौके पर माना कैंप स्थित पीएमश्री आत्मानंद हाई स्कूल में आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने छात्रों और विद्यालय स्टाफ को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विभिन्न सामाजिक, सेवा एवं जनजागरण गतिविधियों के साथ प्रदेशभर में आयोजित किया जाएगा।

जशपुर की खूबसूरती और जनजातीय संस्कृति से मंत्रमुग्ध हुए पुणे से आए पर्यटक

जशपुर। प्राकृतिक सुंदरता, रहस्यमयी गुफाएं, कलकल करते जलप्रपात और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से भरपूर जशपुर अब पर्यटन के नक्शे पर तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन अधोसंरचना के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। इसी क्रम में पुणे से आए पर्यटकों के एक समूह ने हाल ही में जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया और यहां की संस्कृति, सौंदर्य और जनजातीय विरासत की जमकर सराहना की। स्थानीय ट्रैवल स्टार्टअप ट्रिप्पी हिल्स और अनएक्सप्लोर्ड बस्तर के संयुक्त प्रयास से इस भ्रमण यात्रा का आयोजन किया गया। पर्यटकों ने कैलाश गुफा की रहस्यमयी संरचना, राजपुरी और रानीदह जलप्रपात की गूँजती धाराओं, और सोगड़ा आश्रम की शांति में प्रकृति और अध्यात्म का अनोखा संगम महसूस किया। सरुदीह टी गार्डन की हरियाली और चाय बगानों की सुंदरता ने भी सभी का मन मोह लिया। यात्रा का सबसे खास पल रहा सरुदीह टी गार्डन में आयोजित जनजातीय नृत्य प्रदर्शन। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और लोकधुनों पर थिरकते कलाकारों की प्रस्तुति ने पर्यटकों को जशपुर की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया। कई पर्यटकों ने नृत्य में भाग भी लिया और स्थानीय कलाकारों की सराहना की। पर्यटकों ने जनजातीय संग्रहालय का भी दौरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार योजना का शुभारंभ

स्वस्थ मां ही सशक्त समाज की निर्माताः प्रधानमंत्री मोदी

- 2 अक्टूबर तक देशभर में एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का होगा आयोजन
- प्रधानमंत्री ने 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का भी किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के धार जिले से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि मंडपम से हजारों महिलाओं के साथ इस कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़कर इन अभियानों के शुभारंभ के साक्षी बने। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया और पोषण कैलेंडर का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने पोषण रथ को दिखाई हरी झंडी, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाया चंदन का पौधा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ के अवसर पर पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सभी वाहन प्रदेश के जिलों का भ्रमण कर माताओं-बहनों को पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी जानकारी देगी। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में चंदन के पौधे लगाये। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक सुनील सोनी भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि विकसित भारत की यात्रा नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब और किसान, इन चार स्तंभों पर टिकी है और यह अभियान इस लक्ष्य को नई मजबूती देगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक देशभर में एक लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें टीबी, एनीमिया और कैंसर जैसी बीमारियों की मुफ्त जांच व दवाई उपलब्ध होगी। उन्होंने माताओं-बहनों से अपील की कि वे इन शिविरों में जरूर जाएं ताकि किसी भी महिला को जानकारी के अभाव में गंभीर बीमारी का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति राष्ट्र का मुख्य आधार है और मां के स्वस्थ होने से परिवार के साथ-साथ समाज भी सशक्त होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण अभियान की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक 4.5 करोड़ से अधिक महिलाओं को 19 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समाज को सुरक्षित करने के लिए सिकल सेल एनीमिया मिशन की शुरुआत शहडोल से की गई थी।

अब तक 5 करोड़ से अधिक स्क्रीनिंग पूरी हो चुकी है और 1 करोड़ कार्ड जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान से आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने गरीबों और किसानों को योजनाओं के केंद्र में बताते हुए कहा कि मुफ्त राशन से लेकर आयुष्मान कार्ड तक, सरकार की हर योजना गरीब के जीवन को बदलने के लिए है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं और यह मोदी की गारंटी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पीएम मित्र पार्क और पीएम विश्वकर्मा योजना की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इससे लाखों रोजगार सृजित होंगे और छोटे कारीगरों को नई पहचान मिलेगी। त्योहारों के अवसर पर उन्होंने स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जो भी खरीदें, वह स्वदेशी हो, ताकि पैसा देश में रहे और विकास की गति तेज हो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और नेतृत्व ने भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई है। नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीब और किसान को विकसित भारत के चार स्तंभ मानकर जो योजनाएं उनके नेतृत्व में शुरू की गई हैं, वे देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं की टीबी, एनीमिया और कैंसर जैसी बीमारियों की मुफ्त जांच व दवाई उपलब्ध कराई जाएगी। यह मातृशक्ति के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान और सिकल सेल एनीमिया मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे करोड़ों महिलाओं और आदिवासी भाई-बहनों का जीवन सुरक्षित हुआ है। इसी तरह पीएम मित्र पार्क और पीएम विश्वकर्मा योजना लाखों युवाओं और कारीगरों को रोजगार व पहचान दिला रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों के परिणामस्वरूप 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं, जो उनके संवेदनशील नेतृत्व का प्रमाण है। श्री साय ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर प्रधानमंत्री का स्वदेशी अपनाने का आह्वान हर भारतीय के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर प्रारंभ हुई ये योजनाएं विकसित भारत के संकल्प की ठोस नींव हैं। मेधावी छात्राओं का किया सम्मान, पोषण कैलेंडर का किया विमोचन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के कृषि मंडमप में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ के अवसर पर पोषण माह कैलेंडर का विमोचन किया। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत मेधावी छात्राओं को सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विशेष रूप से आयोजित स्वास्थ्य शिविर और महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टालों का अवलोकन कर जानकारी लीं। विशेष रूप से पोषण संगोष्ठी, हमर स्वस्थ लइका, रेडी-टू-ईट, छत्तीसगढ़ के मिलेट्स, मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, बाल विवाह मुक्त अभियान, मानसिक स्वास्थ्य, टीबी जांच, ईएनटी, सिकल सेल जांच, किशोरी स्वास्थ्य, मातृत्व स्वास्थ्य के लिए केंद्रित स्टालों को देखा और आगंतुकों से शासकीय योजनाओं से मिल रहे लाभ के संबंध में चर्चा की।

पीएम सूर्यघर योजना में डबल सब्सिडी से डबल हुई आवेदन और स्थापना की गति

हॉफ बिजली बिल से मुफ्त बिजली की ओर तेजी से बढ़ रहा आकर्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केन्द्र की तर्ज पर राज्य सरकार द्वारा भी सब्सिडी देने से आवेदनों तथा रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट की औसत मासिक संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ता हॉफ बिजली बिल से शून्य बिजली बिल की ओर कदम बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयार हो रहे हैं, जिसका असर आने वाले महीनों में बड़ी उपलब्धि के रूप में दिखाई पड़ेगा। शासन की मंशानुसार उपभोक्ताओं का रुझान अब सस्ती बिजली हेतु सरकारी योजना के बदले आत्मनिर्भरता की तरफ बढने लगा है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा एक किलोवाट के लिए 30,000 रूपये, दो किलोवाट के लिए 60,000 रूपये तथा तीन किलोवाट के लिए 78,000 रूपये सब्सिडी प्रदान की जा रही थी। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 18 जून, 2025 को आयोजित राज्य मंत्री परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से भी सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया। जिसके तहत एक किलोवाट के लिए 15,000 रूपये, दो किलोवाट के लिए 30,000 रूपये तथा तीन किलोवाट के लिए भी 30,000 रूपये सब्सिडी देने की घोषणा की गई। जिससे एक से लेकर तीन किलोवाट तक कुल सब्सिडी क्रमशः 45,000 रूपये, 90,000 रूपये तथा 1,08,000 रूपये हो गई है। मार्जिन मनी के लिए बैंकों से 10 वर्षों के लिए 6 प्रतिशत की ब्याज दर पर आसान ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री साय की विशेष पहल पर राज्य सब्सिडी का प्रदाय जल्दी से जल्दी करने के निर्देश दिये गये। जिसके कारण 8 सितम्बर को आयोजित एक कार्यक्रम में 618 हितग्राहियों के बैंक खाते में 1.85 करोड़ रूपये की सब्सिडी उनके बैंक खातों में अंतरित कर दी गई। साथ ही यह व्यवस्था की गई है कि अब स्थापना के एक माह के भीतर स्टेट सब्सिडी दे दी जाएगी। इस तरह उपभोक्ताओं का विश्वास तथा उत्साह तेजी से बढ़ा है। राज्य सब्सिडी घोषित होने के पूर्व औसत मासिक आवेदनों की संख्या 1,607 थी तथा स्थापनाओं की सख्या 337 थी। वहीं 18 जून को स्टेट सब्सिडी घोषित होने के बाद आवेदनों की औसत मासिक सख्या 3,906 हो गई है तथा स्थापनाओ की औसत प्रतिमाह सख्या 744 हो गई है।

इस तरह अब प्रदेश में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए काफी उत्साह देखा जा रहा है। कुल आवेदनों की संख्या 58,500 हो गई है, जिनमें से 6,500 घरों में रूफटॉप सोलर पेनल लगाये जा चुके हैं तथा 17,000 का कार्य प्रगति पर है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 का हुआ आगाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। भारत सरकार की महती योजना स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 के अंतर्गत '' स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 '' का भव्य आगाज हुआ। महापौर संजूदेवी राजपूत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय सहित निगम के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों व निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने महाराणा प्रताप उद्यान में स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई का कार्य किया, इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उपस्थित समस्तजनों को '' स्वच्छता शपथ '' ग्रहण कराई।

छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप भारत सरकार की महती योजना स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 के अंतर्गत राज्य के अन्य सभी नगरीय निकायों के साथ-साथ नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी '' स्वच्छता ही सेवा अभियान -2025 '' का आज से शुभारंभ हुआ। निगम के कोसाबाड़ी जोनांतर्गत स्थित महाराणा प्रताप उद्यान में आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अभियान की शुरूआत कराई। यहाँ उल्लेखनीय है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ यह स्वच्छता ही सेवा अभियान 02 अक्टूबर गांधी जयंती तक संचालित होगा।यह अभियान प्रतिवर्ष 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित किया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य आमनागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, स्वच्छता के प्रति स्वामित्व की भावना को प्रोत्साहित करना तथा अभियान को जनभागीदारी एवं स्वेच्छिक सेवा के माध्यम से सशक्त करना हैं। निगम के महाराणा प्रताप उद्यान में आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम के दौरान आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने हाथ में झाड़ू लेकर सफाई का कार्य किया, वहीं इस मौके पर निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्य हितानंद अग्रवाल, पार्षद चन्द्रलोक सिंह, लक्ष्मण श्रीवास, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ.राजीव सिंह, देवेन्द्र पाण्डेय, योगेश जैन, डॉ.राजेश राठौर, राकेश अग्रवाल, अजय विश्वकर्मा, दिनेश वैष्णव, मंजू सिंह, सोनी सिंह, मनोरमा शर्मा, ज्योति वर्मा, मनोज सिंह राजपूत, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, अपनी सहभागिता देते हुए स्वच्छता ही सेवा अभियान में हिस्सा लिया।

35 तीर्थयात्रियों का दल श्रीरामलला दर्शन के लिए अयोध्याधाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। महापौर संजूदेवी राजपूत ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व पार्षदगणों की उपस्थिति में श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत 35 तीर्थयात्रियों के दल को पवित्र अयोध्याधाम के लिए निगम कार्यालय साकेत भवन से रवाना किया। उन्होने तीर्थयात्री बस को हरी झण्डी दिखाई एवं तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर व पुष्पमाला पहनाकर उन्हें अपनी शुभकामना व बधाईयाँ दी। छत्तीसगढ़ सरकार की महती योजना श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत प्रदेश के नागरिकों को पवित्र अयोध्याधाम ले जाकर भगवान श्रीरामलला जी के दर्शन प्रतिमाह कराए जा रहे हैं, जिसका सम्पूर्ण व्यय शासन द्वारा वहन किया जाता है। इसी कड़ी में इस माह भी कोरबा से 35 तीर्थयात्रियों का दल श्रीरामलला दर्शन हेतु अयोध्याधाम के लिए रवाना हुआ, यह दल बस के माध्यम से बिलासपुर के उस्लापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा, वहाँ से विशेष ट्रेन द्वारा तीर्थयात्री अयोध्याधाम पहुंचकर श्रीरामलला जी के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में आज प्रातः 08 बजे महापौर संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने हरी झण्डी दिखाकर दल को रवाना किया, इस मौके पर महापौर राजपूत ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीरामलला के दर्शन हेतु जा रहे श्रद्धालुजनों को यात्रा पर रवाना करने का पवित्र अवसर आज पुनः प्राप्त हुआ है, उन्होने कामना करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी यात्रा को मंगलमय करें तथा श्रद्धालुजन रामलला के चरणों का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करें। इस अवसर पर तीर्थयात्रियों ने श्रीरामलला दर्शन योजना की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए राज्य सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

‘ड्रैगन’ के लिए जूनियर एनटीआर ने किया गजब का ट्रांसफॉर्मेशन, दिखा नया लुक

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ‘ड्रैगन’ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनका एक जिम वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो उनके फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एनटीआर का गजब का ट्रांसफॉर्मेशन नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि एक्टर अपनी आने वाली फिल्म के लिए इन दिनों जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं।

जूनियर एनटीआर का नया लुक

जूनियर एनटीआर ने प्रशांत नील की इस फिल्म के लिए खुद को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म कर लिया है। उन्होंने वजन घटाया है और अब उनका लुक पहले से कहीं ज्यादा लीन और फिट दिखाई दे रहा है। अभिनेता ने पहले भी ‘आरआरआर’ जैसी फिल्मों में अपने दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता है और अब ‘ड्रैगन’ के लिए भी दिन-रात एक कर रहे हैं।

बड़े स्केल पर बन रही फिल्म

ड्रैगन का निर्देशन कर रहे हैं प्रशांत नील, जिन्होंने ‘केजीएफ’ और ‘सालार’ जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से अपनी पहचान बनाई। इंडस्ट्री में चर्चा है कि यह फिल्म उनकी अब तक की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजना है। बताया जा रहा है कि निर्देशक इस बार किसी बजट सीमा से बंधे नहीं हैं। यानी दर्शकों को एक ऐसा सिनेमाई अनुभव मिलने वाला है जिसमें एक्शन, विजुअल्स और स्टोरीटेलिंग सब कुछ भव्य स्तर पर होगा। फिल्म में कैमरे के पीछे भी वही मजबूत टीम है, जिसने केजीएफ जैसे सिनेमाई चमत्कार को संभव किया था। सिनेमैटोग्राफर भुवन गौड़ा और संगीतकार रवि बस्रूर एक बार फिर प्रशांत नील के साथ काम कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत भी आएंगी नजर

फिल्म की लीड एक्ट्रेस के रूप में रुक्मिणी वसंत नजर आएंगी। वहीं खबर यह भी है कि ‘कांतारा’ फेम अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी का इसमें कैमियो हो सकता है। हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन अगर यह सच हुआ तो फिल्म के प्रति दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ जाएगा।

फिल्म की रिलीज डेट भी तय

फिल्म की शूटिंग इस साल मार्च में शुरू हो चुकी है और मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट अगले साल 25 जून 2026 तय कर दी है। पहले फिल्म का फर्स्ट लुक जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर जारी होना था, लेकिन इसे आगे बढ़ा दिया गया ताकि अभिनेता की एक और बड़ी फिल्म ‘वॉर 2’ की घोषणा को स्पेस मिल सके।

उन्नी मुकुंदन निभाएंगे पीएम मोदी की बायोपिक में अहम भूमिका, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर फिल्म का एलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनकी एक और बायोपिक का एलान हो गया है। इस फिल्म में साउथ अभिनेता उन्नी मुकुंदन पीएम मोदी का किरदार निभाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए टाइटल की घोषणा कर दी है।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म की घोषणा हुई। इस फिल्म में प्रधानमंत्री के रोल में साउथ स्टार उन्नी मुकुंदन नजर आएंगे। सिल्वर कास्ट क्रिएशंस प्रोडक्शन हाउस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर जानकारी दी कि फिल्म का टाइटल ‘मां वंदे’ होगा। इस फिल्म का पहला पोस्ट आकर्षित करने वाला है, जिसमें पीएम मोदी का किरदार हस्ताक्षर करते हुए दिखाई दे रहा है। हालांकि, अभी पूरा लुक आना बाकी है।

जानकारी के मुताबिक निर्माता इस फिल्म में पीएम मोदी के बचपन से लेकर नेता बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा, जिसमें उनकी दिवंगत मां हीराबेन मोदी के साथ उनके संबंधों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिन्हें उनकी पूरी यात्रा में प्रेरणा का एक अद्वितीय स्रोत बताया गया है। इसके साथ ही पीएम मोदी की बायोपिक का निर्देशन क्रांति कुमार सीएच करेंगे। फिल्म में सिनेमैटोग्राफी का काम ‘बाहुबली’ फेम केके सेंथिल कुमार आईएससी करेंगे। इसके अलावा संगीत का काम रवि बसरूर और संपादन श्रीकर प्रसाद करेंगे। वहीं, प्रोडक्शन डिजाइन की जिम्मेदारी साबू सिरिल संभालेंगे और एक्शन कोरियोग्राफी किंग सोलोमन करेंगे।

उन्नी मुकुंदन का वर्कफ्रंट

उन्नी मुकुदने के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने 2024 में रिलीज हुई फिल्म ‘मार्को’ से खूब प्रशंसा बटोरी थी। इसे अभी तक की सबसे ज्यादा हिंसक फिल्मों में शामिल किया गया है। इसके अलावा अभिनेता को आखिरी बार ‘गेट-सेट बेबी’ में देखा गया था। वहीं, आगामी फिल्मों की बात करें तो वह ‘मिंडियम परंजुम’ में नजर आने वाले हैं।

द बैड्स ऑफबॉलीवुड’ की स्क्रीनिंग पर बॉबी देओल ने आर्यन के साथ की ये हरकत, फैंस को पसंद आया अंदाज

किंग खान शाहरुख खान के बेटे आर्यन ने ‘द बैड्स ऑफबॉलीवुड’ से शोबिज की दुनिया में कदम रखा है। ‘द बैड्स ऑफबॉलीवुड’ बतौर निर्देशक आर्यन का पहला शो है। उनका पहला शो आज से स्ट्रीम हो रहा है। इससे पहले शो की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस दौरान शो की पूरी कास्ट समेत बॉलीवुड की तमाम हस्तियों ने शिरकत की। इवेंट के दौरान बॉबी देओल ने कैमरे के सामने कभी न मुस्कुराने वाले आर्यन खान के चेहरे पर स्माइल लाकर कुछ ऐसा किया, जिसका वीडियो अब वायरल है। लोगों को ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

स्क्रीनिंग का वीडियो वायरल

आर्यन खान को हमेशा कैमरे के सामने शांत और गंभीर मुद्रा में ही देखा जाता है। कैमरे के सामने उनका न मुस्कुराना फैंस के बीच भी हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है। लेकिन इस इवेंट के दौरान बॉबी देओल ने कुछ ऐसा किया, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। स्क्रीनिंग का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल, आर्यन को पैपराजी के सामने हंसाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

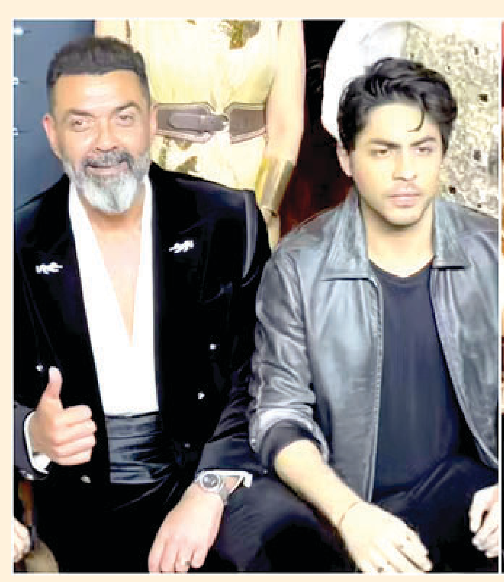

प्रीमियर नाइट के दौरान ‘द बैड्स ऑफबॉलीवुड’ की पूरी कास्ट निर्देशक आर्यन के साथ कैमरे के सामने पोज देने के लिए इकट्ठी हुई। इस दौरान आर्यन और बॉबी देओल एक पास बैठे थे। आर्यन हमेशा की तरह गंभीर मुद्रा बनाए हुए थे। तभी बॉबी ने आर्यन को हंसाने के लिए उन्हें हल्का सा धक्का मारा और मुस्कुराने के लिए कहा। तब आर्यन ने बॉबी की तरफ देखते हुए हल्की सी स्माइल दी। इसके बाद हर कोई खुश हो गया कि आखिर आर्यन के कैमरे के सामने स्माइल कर दिया। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग आर्यन को मुस्कुराता देख खुशी जता रहे हैं। कई यूजर्स आर्यन की स्माइल की भी तारीफ कर रहे हैं।

आर्यन को एटीट्यूड में रहना पसंद है

हाल ही में ‘द बैड्स ऑफबॉलीवुड’ की कास्ट का हिस्सा राघव जुयाल ने आर्यन के कैमरे के सामने स्माइल न करने के पीछे के कारण को लेकर बात की थी। राघव ने बताया था कि आर्यन को कैमरे के सामने मुस्कुराने का डर है। वह कैमरे के सामने मुस्कुराते नहीं हैं। उनको एटीट्यूड में रहना बहुत पसंद है। हालांकि, राघव ने बताया था कि आर्यन हमारे साथ वह मजे भी करते हैं। उनमें एक बच्चों जैसी ऊर्जा है। लेकिन कैमरे के सामने उनकी आदत है। राघव ने आगे कहा था कि मैंने उनको बोला है कि मैं एक दिन तुमको हंसाऊंगा जरूर कैमरा के आगे।

कल्कि 2898 एडी’ के सीक्वल से बाहर हुईं दीपिका पादुकोण:मेकर्स ने कहा- सही पार्टनरशिप नहीं बन पाई, फिल्म को चाहिए पूरी कमिटमेंट

फिल्म ‘कल्कि 2898 एडी’ के मेकर्स ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अब इसके सीक्वल का पार्ट नहीं होंगी।

एक्स पर पोस्ट करते हुए टीम ने कहा, गहराई से सोचने के बाद हमने अलग होने का फैसला किया है। पहली फिल्म की लंबी यात्रा के बावजूद हम सही पार्टनरशिप नहीं बना पाए। और ‘कल्कि 2898 एडी’ जैसी फिल्म को पूरी कमिटमेंट और उससे भी ज्यादा की जरूरत है। हम उन्हें उनके आने वाले कामों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

बता दें कि इस फिल्म में प्रभास और अमिताभ बच्चन नजर आने वाले हैं। फिल्म का डायरेक्शन नाग अश्विन कर रहे हैं। पहली फिल्म की कहानी महाभारत के कुरुक्षेत्र युद्ध के अंत से शुरू होकर 2898 एडी के भविष्य तक जाती है। ‘कल्कि 2898 एडी’ ने बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट थी । फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 1042 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

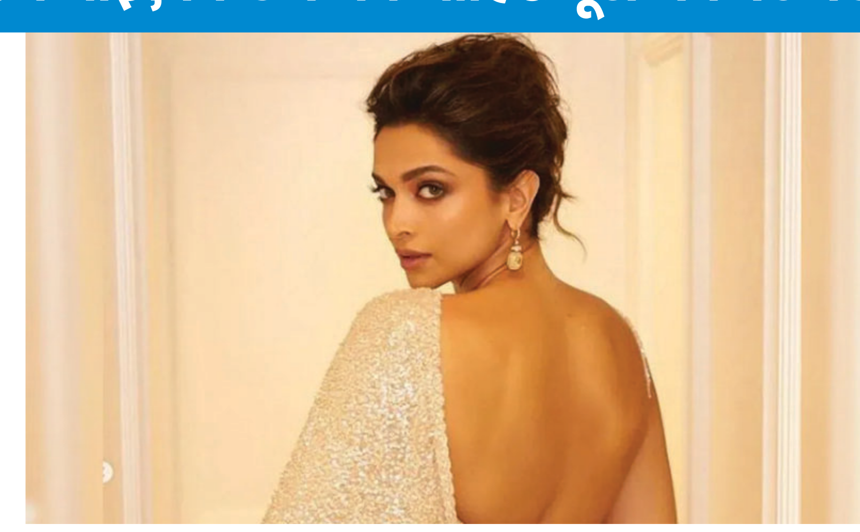

स्वास्थ्य... बदलता मौसम अस्थमा रोगियों की बढ़ा सकता है मुश्किलें

सितंबर-अक्टूबर का महीना मानसून की समाप्ति और सर्दियों की शुरुआत की आहट लेकर आता है। भीषण गर्मी और उमस वाला मौसम तेजी से बदलकर सुबह के समय हल्की ठंडी हवाओं वाला हो जाता है। ये मौसम जितना सुहाना होता है, सेहत के लिए उतनी ही चुनौतियां लेकर भी आता है।

कभी हल्की बारिश, कभी उमस तो कभी ठंडी हवाओं का चलना, इन दिनों तेजी से मौसम में हो रहा बदलाव सेहत को कई प्रकार से प्रभावित करने वाला हो सकता है। जिन लोगों को पहले से ही सांस की समस्या जैसे अस्थमा या ब्रोंकाइटिस की दिक्कत है उनके लिए ये समय और भी दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकता है। बदलते मौसम के साथ पराग कण, धूल-मिट्टी और प्रदूषण मिलकर सांस की नलियों में सूजन और जकड़न पैदा कर सकते हैं। कई बार यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि साधारण काम भी मुश्किल लगने लगते हैं। आइए जानते हैं कि सांस के मरीजों को इस बदलते मौसम में किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए?

बढ़ा सकता है सांस की दिक्कतें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अस्थमा एक गंभीर समस्या है जिसमें समय पर सावधानी न बरतने पर स्थिति बिगड़ सकती है। मौसम बदलते ही कई मरीजों को सांस फूलना, खांसी, छाती में भारीपन और बेचैनी जैसी परेशानियां बढ़ती हुई दिखती हैं। यही नहीं, एलर्जी, संक्रमण और प्रदूषण इसके ट्रिगर बन सकते हैं। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, थोड़ी समझदारी, सही जानकारी और नियमित देखभाल से आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रख सकते हैं।

अस्थमा ट्रिगर होने का खतरा

श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ रविरंजन सिंह कहते हैं, मौसम बदलने पर वायु गुणवत्ता में भी परिवर्तन आता है। खासकर शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा बरसात के मौसम में नमी बढ़ने से घर में फफूंदी और माइट्स की समस्या बढ़ सकती है, जो अस्थमा के लक्षणों को ट्रिगर कर सकते हैं। इसलिए घर की नियमित सफाई करें, खासकर बिस्तर, कालीन और पर्दों की सफाई बहुत जरूरी है। पराग कण, धूल और फफूंदी जैसे एलर्जेंस अस्थमा के लक्षणों को बढ़ा सकते हैं। इस मौसम में खासकर सुबह और शाम के समय पराग कणों की मात्रा अधिक होती है, इसलिए मास्क पहनें और ज्यादा बाहर जाने से बचें।

बदलते मौसम में अस्थमा रोगी इन बातों पर भी दें ध्यान

- अस्थमा के मरीजों को अपनी निर्धारित दवाइयों का नियमित सेवन करना चाहिए, भले ही वे ठीक महसूस कर रहे हों।
- यदि मौसम में बदलाव के कारण लक्षण बढ़ें, तो तुरंत अपने चिकित्सक से संपर्क करें ।
- सांस की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगासन लाभकारी होते हैं।
- तनाव अस्थमा के लक्षणों को बढ़ा सकता है, इसलिए मानसिक शांति बनाए रखना आवश्यक है। योग, ध्यान और गहरी सांस के अभ्यास से तनाव कम किया जा सकता है।
- इसके अलावा, प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लें, क्योंकि पर्याप्त नींद से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और अस्थमा के लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

कैसे करें बचाव?

डॉक्टर कहते हैं, स्वस्थ आहार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, जो अस्थमा के लक्षणों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। अपने आहार में हल्दी, अदरक, लहसुन, शहद, और काली मिर्च जैसे तत्व शामिल करें। ये प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी होते हैं और शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

शिक्षा ही सफलता की कुंजी, सेवा ही जीवन का आधार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित रक्तदान अमृतोत्सव 2.0 कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा अनिवार्य है। शिक्षा केवल डिग्री या नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का मूल आधार है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा विभाग एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा सेवा पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में प्रदेशभर के महाविद्यालयों में रक्तदान सहित विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रक्तदान कर रहे युवाओं से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल जीवन रक्षा का माध्यम है, बल्कि रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

यह सबसे बड़ा दान है, जिसे बार-बार किया जा सकता है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है और विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं का पूरा लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा सहित अनेक क्षेत्रों में समृद्ध है। 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' की पहचान पूरे देश में है। नक्सलवाद जैसी बाधाओं को सुरक्षा बलों के साहस और निरंतर अभियानों से समाप्त किया जा रहा है। जल्द ही बस्तर में विकास की गंगा बहेगी और एक विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उच्च शिक्षा विभाग में 700 पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने एनएसएस को समाज को जोड़ने वाला सशक्त विचार बताया।

कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा का भाव निहित है और रक्तदान सबसे बड़ा दान है। सरकार का लक्ष्य युवाओं को शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराते हुए उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सेवा जीवन का सार है। रक्तदान या शिक्षा—किसी भी माध्यम से सेवा जीवन को यशस्वी बनाती है।

कार्यक्रम में आयुक्त उच्च शिक्षा संतोष देवांगन, कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ल, राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेयी, कुलसचिव प्रो. अम्बर व्यास सहित बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक विद्यार्थी उपस्थित थे।

मातृत्व वंदना योजना बनी वरदान, मातृ-शिशु स्वास्थ्य में आया सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना महिलाओं के लिए संबल बन रही है। बेमेतरा जिले के ग्राम बेरलाकला की टिकेश्वरी साहू ने योजना से मिले सहयोग को अपने जीवन का आधार बताते हुए कहा कि इसने मातृत्व काल में उन्हें आर्थिक और मानसिक मजबूती दी। कृषि पर आधारित परिवार से जुड़ी श्रीमती टिकेश्वरी साहू गृहिणी होने के कारण परिवार की आमदनी पर निर्भर थीं। आर्थिक तंगी के चलते अपनी सेहत और पोषण पर ध्यान देना मुश्किल था। मातृत्व काल में जब उनका पंजीयन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और मितानिन बहनों की मदद से मातृत्व वंदना योजना में हुआ तो उन्हें बड़ी राहत मिली।

योजना अंतर्गत प्रथम संतान पर 5000 रुपये और द्वितीय बालिका पर 6000 रुपये की राशि दी जाती है। श्रीमती टिकेश्वरी ने बताया कि पहली किश्त का उपयोग उन्होंने संतुलित आहार व चिकित्सीय जांच में किया जबकि दूसरी किश्त से प्रसव पूर्व की जरूरतें पूरी कीं। योजना ने न केवल आर्थिक सहयोग दिया बल्कि उन्हें मानसिक सुकून भी प्रदान किया।

जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बताया कि जिले में शासन की सभी जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता से लागू किया जा रहा है। मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना की सफलता में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों की सक्रिय भूमिका अहम है। कलेक्टर ने सभी पात्र महिलाओं से अपील की कि वे इस योजना का लाभ अवश्य लें ताकि मातृत्व काल सुरक्षित और स्वस्थ हो सके।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं और बच्चों के विकास के प्रयास सराहनीयः केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आज निमोरा स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र-1 का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र में पंजीकृत बच्चों से आत्मीय मुलाकात की, उन्हें गोद में उठाकर दुलारा और उनके लिए संचालित गतिविधियों एवं सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, शिक्षा और संपूर्ण विकास के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में ईसीसीई गतिविधियों के अंतर्गत न केवल बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि उन्हें खेल-खेल में शिक्षा भी दी जा रही है। इससे बच्चों की बौद्धिक, सामाजिक और शारीरिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

अन्नपूर्णा देवी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के संकल्प के साथ राष्ट्रीय पोषण माह के आठवें संस्करण की शुरूआत की गई है। यह अभियान महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य सुधार, कुपोषण उन्मूलन और परिवार की खुशहाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हों और स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान दें। आंगनबाड़ी केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म अदा की और बच्चों का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों से भी संवाद किया तथा उन्हें योजनाओं से अधिक से अधिक लाभ उठाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बाल-गीत प्रस्तुत किए, जिसे सुनकर केन्द्रीय मंत्री ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को फल एवं उपहार प्रदान किए। केन्द्रीय मंत्री ने स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता और पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने आंगनबाड़ी परिसर में अमरूद, मुनगा, जामुन और आम के पौधे लगाकर हरित वातावरण और पोषण सुरक्षा का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि बच्चों को ताजगी भरा माहौल भी प्रदान करता है।

स्वच्छता को जिंदगी का हिस्सा बनाएंः अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथी खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा खिलाड़ियों, खेल संघों के पदाधिकारियों, अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। स्वच्छता ही सेवा अभियान के शुभारंभ के मौके पर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्टेडियम में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में खिलाड़ियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने खिलाड़ियों, अधिकारियों तथा खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ कोटा स्टेडियम प्रांगण में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान का शुभारंभ किया तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने स्वच्छता संदेश में खिलाड़ियों से कहा कि स्वच्छता को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं। न स्वयं गंदगी करें और न ही दूसरों को गंदगी फैलाने दें। श्री साव ने स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने खिलाड़ियों को हैंडवाश वितरित किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता ही सेवा का मुख्य उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें स्वच्छ परिसर ङ्क स्वस्थ समाज का संदेश देना है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव सुखनाथ अहिरवार, उप संचालक रश्मि ठाकुर और रवि अग्रवाल, युवा कल्याण अधिकारी जितेंद्र नायक, छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के जी.एस. बाम्बरा, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के सचिव आयुष मुरारका, वॉलीबॉल एसोसिएशन के मोहम्मद अकरम खान, क्रीड़ा भारती के संजय शर्मा, केनोइंग-कयाकिंग एसोसिएशन के प्रशांत रघुवंशी और स्कूल शिक्षा विभाग के संजय शुक्ला सहित खेल अधिकारी, खेल संघों के पदाधिकारी और खिलाड़ी इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री साय ने किया श्रम विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के इंडोर स्टेडियम में श्रम विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती और विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर श्रम विभाग द्वारा 12 से 19 सितम्बर तक प्रदेश के सभी जिलों में 55 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, निःशुल्क दवा वितरण, श्रमिक पंजीयन और नवीनीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कौशल उन्नयन के लिए महासमुंद, बिलासपुर और राजनांदगांव जिलों में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। अन्य जिलों में भी श्रमिकों को प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महासम्मेलन स्थल पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा संबंधी सामग्री और विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। वहीं श्रम कल्याण मंडल द्वारा श्रमिकों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। श्रमिक महासम्मेलन में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत श्रमिकों को करोड़ों रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के तहत 1.77 लाख से अधिक श्रमिकों को 58.32 करोड़ रुपये, असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के तहत 3,839 श्रमिकों को 4.77 करोड़ रुपये तथा श्रम कल्याण मंडल के तहत 3,332 श्रमिकों को 2.06 करोड़ रुपये की सहायता राशि हितग्राहियों के खातों में सीधे अंतरित की गई। इसमें दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण योजना, सिलाई मशीन सहायता योजना और सायकल सहायता योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत राशि सीधे श्रमिकों के खातों में जमा की गई।

स्वच्छता ही सेवा और अंगीकार-2025 अभियान, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 एवं लोक कल्याण मेला का किया राज्य स्तरीय शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के स्वच्छता, आवास और लोक कल्याण उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के पंडित जवाहर लाल नेहरू शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के श्री अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' और 'अंगीकार-2025' अभियान तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 एवं लोक कल्याण मेला का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया।

उन्होंने विभिन्न नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 11 हजार लाभार्थियों को गृहप्रवेश भी कराया। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकद्वय राजेश मूणत और सुनील सोनी तथा रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री साय और अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्वच्छता सुपर लीग के टूल-किट का विमोचन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र तथा पीएम स्वनिधि के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने रायपुर नगर निगम के दिवंगत कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने रायपुर नगर निगम और अन्य नगरीय निकायों में स्वच्छता को समर्पित डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नगरीय प्रशासन विभाग के स्वच्छता, आवास और लोक कल्याण उत्सव में हुए शामिल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि देश को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बड़ा काम किया है। स्वच्छता अब लोगों की आदत में शुमार हो गया है। उन्होंने कहा कि घर के अंदर और बाहर साफ-सफाई केवल महिलाओं का ही दायित्व नहीं है, बल्कि यह पुरूषों का भी काम है। उन्होंने देश में स्वच्छता को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2024-25 में छत्तीसगढ़ को सात राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। बीस हजार से कम आबादी वाले देश के 100 सबसे स्वच्छ शहरों में अकेले छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए नगरीय निकायों में काम कर रहे स्वच्छता दीदियों, सफाई कर्मियों और वहां के नागरिकों को धन्यवाद देते हुए रैंकिंग में आगे और भी सुधार करने को कहा। उन्होंने कहा कि हम विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत बनाने के लिए अपने विजन डॉक्युमेंट-2047 के अनुरूप काम कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में देश के एक-एक व्यक्ति की चिंता की है। 'सबका साथ सबका विकास' के ध्येय पर चलते हुए देश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 में 'अंगीकार-2025' अभियान के तहत हर पात्र परिवार तक आवास पहुंचाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए 4 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक यह विशेष अभियान संचालित है। स्ट्रीट वेंडर्स को आगे बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए भारत सरकार प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0 लेकर आई है।

रायगढ़ जिले के 110 तीर्थयात्री अयोध्या धाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रदेश शासन द्वारा संचालित श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत रायगढ़ जिले से आज 110 तीर्थयात्रियों का दसवां जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 93 तीर्थयात्री ग्रामीण अंचलों से तथा 17 तीर्थयात्री नगरीय क्षेत्र से शामिल हैं। दर्शनार्थियों को रवानगी से पूर्व मंगलकामनाएँ दी गईं। उत्साह से सराबोर श्रद्धालु जय श्रीराम के उद्घोष के साथ अयोध्या धाम की यात्रा पर निकले। रायगढ़ से उन्हें बसों के माध्यम से बिलासपुर रेलवे स्टेशन तक पहुँचाया गया, जहाँ से वे विशेष रेलगाड़ी द्वारा अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किए।

डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी धनराज मरकाम ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक तीर्थयात्री को निःशुल्क यात्रा, भोजन एवं आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही यात्रा की सुचारु व्यवस्था हेतु विभागीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। तीर्थयात्रियों ने शासन की इस पहल के प्रति हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें जीवन में पहली बार अयोध्या धाम जाकर श्रीरामलला के दर्शन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

खास खबर

तेज रफ्तार बस पलटी, एक महिला की मौके पर मौत, 5 घायल; चालक फरार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में आज सुबह एक भयानक सड़क हादसे ने सबको स्तब्ध कर दिया। कांसाबेल थाना क्षेत्र के बरजोर इलाके में फरसाबहार से अंबिकापुर जा रही एक यात्री बस तेज रफ्तार के चलते अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक महिला यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। कई अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, बस में करीब 30-40 यात्री सवार थे, जो सुबह के समय सामान्य यात्रा पर थे। हादसा उस समय हुआ जब चालक ने गति पर काबू नहीं रखा और वाहन सड़क किनारे पलट गया। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग तुरंत सहायता के लिए पहुंचे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, बस इतनी तेज थी कि पलटते ही धूल का गुबार छा गया। महिला यात्री को बचाने की काफी कोशिश की गई, लेकिन मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस का चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। कांसाबेल पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

16.50 लाख रुपये की केसीसी लोन लेकर धोखाधड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

कबीरधाम। जिले की कुकदुर थाना पुलिस ने 16.50 लाख रुपये की केसीसी लोन धोखाधड़ी के मामले का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गणेश राम धुर्वे, निवासी ग्राम बुचीपारा थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम ने दिनांक 24.02.2025 को थाना कुकदुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि माह जुलाई 2024 में नेतराम डहरिया नामक व्यक्ति ने अपने आप को बैंक का लोन एजेंट बताकर प्रार्थी से उसके कृषि भूमि के दस्तावेज एवं हस्ताक्षर प्राप्त किए। इसके बाद उसने अपने साथी बैंक कर्मी के साथ मिलकर प्रार्थी के नाम पर 16.50 लाख रुपये का केसीसी लोन स्वीकृत कराया और उक्त राशि को प्रार्थी के बैंक खाते से एटीएम व ऑनलाइन माध्यम से स्वयं आहरित कर लिया। रिपोर्ट पर थाना कुकदुर में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस 2023 एवं धारा 66(सी) आईटी एक्ट 2000 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन लेखबद्ध किए गए। एक्सिस बैंक शाखा कवर्धा से प्रार्थी के केसीसी लोन खाता एवं सेविंग खाता से संबंधित दस्तावेज, एकाउंट ओपनिंग फ ॉर्म एवं ट्रांजेक्शन डिटेल जप्त की गई। मामले में पुलिस ने गिरीश कुमार वर्मा निवासी कुम्हारी, जिला दुर्ग छग तथा नेतराम डहरिया निवासी इंदौरी, जिला कबीरधाम छग को दिनांक 15.09.25 को गिरफ्तार कर आज दिनांक को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल कबीरधाम भेजा है।

दुर्ग में चूहामार दवा खाकर अस्पताल पहुंचा युवक, इलाज के दौरान मौत

परिजनों ने किया हंगामा, नर्सों ने घेरा थाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिला अस्पताल में बुधवार को चूहा मारने की दवा खाकर भर्ती हुए युवक की इलाज के दौरान मौत होने पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। माहौल इतना तनाव भरा हो गया कि कोतवाली थाने से अतिरिक्त बल को भेजा गया। जब तक माहौल शांत होता उससे पहले अस्पताल की नर्सों ने काम बंद कर दिया और कोतवाली थाने जाकर बैठ गई। नर्सों ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की। इस दौरान सिविल सर्जन भी मौजूद रहे। कोतवाली पुलिस के आश्वासन के बाद नर्सों का आक्रोश शांत हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा घटनाक्रम मंगलवार से शुरू हुआ। सिद्धार्थ नगर दुर्ग निवासी प्रभाष सूर्या (22) ने मंगलवार को आत्महत्या के उद्देश्य से चूहा मारने की दवा खा ली। इसके बाद गंभीर हालत मे उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में उसका इलाज शुरू हुआ और इस दौरान वह परिजनों से बातचीत भी कर रहा था। शाम को अस्पताल की एक नर्स ने उसे इंजेक्शन दिया। बताया जा रहा है रात में युवक की तबीयत बिगड़ने लगी और बुधवार सुबह 8 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने के बाद मृतक

युवक के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया।

नर्सों के साथ की धक्कामुक्की

मृतक युवक के परिजन इतने आक्रोशित थे कि वे न तो डॉक्टर की सुन रहे थे और न ही नर्सेस की बात मान रहे थे। परिजनों का कहना था कि अस्पताल लाने के बाद प्रभाष सूर्या की तबीयत ठीक हो रही थी और डॉक्टर ने भी ठीक होने का भरोसा दिलाया था। इसके बाद नर्स ने इंजेक्शन लगाया तो उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगाने के कारण की उसकी मौत हुई है। वहीं नर्स का कहना है कि इंजेक्शन प्रिसक्रिप्शन का हिस्सा था और इसमें लापरवाही जैसी कौई बात नहीं है। इसके बाद भी मृतक के रिश्तेदार व परिचित नहीं माने और धक्का मुक्की कर अस्पताल के अंदर घुस गए।

मौके पर पहुंचा पुलिस बल, नर्सें पहुंची थाने

जिला अस्पताल में हंगामे की सूचना के बाद कोतवाली थाने से पुलिस बल पहुंचा और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी में मृतक के परिजन हंगामा करते रहे। इस बीच अस्पताल की नर्सों ने अस्पताल में काम बंद कर थाने का रुख किया और थाने के सामने बैठ गई। नर्सों का कहना है कि इस प्रकार के घटना क्रम से सुरक्षा दी जाए। अस्पताल पहुंचने के बाद कोई भी इलाज में लापरवाही नहीं करता। इसके बाद भी यदि मरीज की जान चली जाती है तो इसमें हमारी क्या गलती है। नर्सों का कहना है कि अस्पताल में पर्याप्त सुराक्षा उपलब्ध कराया जाए।

युवक ने चार दिन पहले की थी कोर्ट मैरीज

बताया जा रहा है कि युवक की चार दिन पहले ही कोर्ट मैरीज की थी। युवक की पत्नी ने कहना है कि वह कुछ दिनों से काफी परेशान रह रहा था। युवक ने चूहा मारने की दवा खाकर आत्महत्या का प्रयास क्यों किया इसका कारण कोई भी बता नहीं पाया। बहरहाल इस पूरे मामले में कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व आगे की जांच के बाद इस पूरे घटनाक्रम से परदा उठ सकता है।

इलाज के दौरान हुई थी मौत

इस पूरे मामले में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन का कहना है कि 16 सितंबर की दोपहर 2:30 बजे युवक को लाया गया था। उसने चूहा मारने की दवा खा ली थी। इलाज के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई। इसे लेकर परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस मामले में हमने पुलिस को जानकारी दी है। आगे की कार्रवाई पुलिस की जिम्मेदारी है।

नशीली दवाओं के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने नशीली दवा एवं सिरप का जखीरा बरामद करते हुए मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 17208 नशीली टेबलेट तथा 12 नग सिरप जब्त किया है। आरोपी आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानो में अपराध दर्ज है।

बता दें कि दुर्ग रेंज पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के निर्देशन में नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे महाअभियान के अंतर्गत जिला दुर्ग दिनांक 16.09 2025 को नशे की सामान बेचने वाले अपराधियों के विरूद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में कई टीम बनाकर अभियान चलाकर कार्यवाही की गई।

अभियान के अंतर्गत सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदीप्ती नगर बंशी बिहार बोरसी में एनडीपीएस एक्ट नशीली सिरप व गोलियों सहित पूर्व में चालान हुये आरोपी वैभव खंडेलवाल पिता गोपाल खंडेलवाल उम्र 30 साल को चेक कर पूछताछ किया गया तब आरोपी वैभव ने नशीली प्रतिबंधित गोली व सिरप जो बिना पंजीकृत चिकित्सक के पर्ची के बिना नहीं दी जा सकती का सेवन व व्यापार करना बताया। आरोपी ने बताया कि वह वैभव फ र्मा सिटिकल के नाम से फर्जी लायसेंस बनाया तथा जीएसटी नो.22 फैक्सपीके2749काज़ा लेकर दवाओं के मैनुफैक्चर (निर्माता) से सीधे तथा बिजनेस टू बिजेनेस प्लेटफार्म इंडिया.मार्ट से नशे में उपयोग किये जाने वाली प्रतिबंधित दवा गोली व दवा ऑनलाईन मंगा कर बेचता है। पेमेन्ट ई-एकाउन्ट से ऑनलाईन करता है।

गोलियों व सिरप का सेवन स्वयं करता है तथा अन्य लोगों को बेचकर व्यापार करता हैं। पुलिस ने आरोपी वैभव खंडेलवाल के कब्जे से (1) सिरप जेबिस्कन (2) टेबलेट पिएंकोप्लस (2) अल्प्राजोलम (4) नाइट्रोटें (5) निक्टर (6) नाइट्रेज़्पम कुल टेबलेट 17208 (सत्रह हजार दो आठ) सिरप 12 नग तथा मोबाईल 1 प्लस जप्त किया गया है। धारा 8 22 (ग) 27 (कै) एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है।

आरोपी वैभव पिता गोपाल खंडेलवाल उम्र 30 साल निवासी मकान नंबर 35 सड़क नं 4 बंशी बिहार बोरसी प्रदीप्ती नगर पदमनाभपुर दुर्ग को 17.09.2025 को गिरफ्तार कर सीजेएम दुर्ग न्यायालय में पेश किया गया है।

आरोपी वैभव खंडेलवाल पूर्व में वर्ष 2022 एवं 2023 में मोहन नगर थानें से एनडीपीएस के प्रकरण में चालान हो चुका है। आरोपी के पूरे नेक्सस की विवेचना वरिष्ठ अधिकारियों के मार्ग दर्शन में की जा रही है।

थार का कहर, बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में तेज रफ्तार थार गाड़ी का कहर देखने को मिला। भिलाई-3 क्षेत्र के पूर्व सीएम हाउस के पास नेशनल हाईवे पर हुए सड़क हादसे में 80 वर्षीय बुजुर्ग ईश्वर राव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पदुम नगर स्थित ब्रदर्स ढाबा के सामने दुर्ग से रायपुर की सर्विस रोड पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ईश्वर राव घर से काम पर जाने के लिए निकले थे और रोड क्रॉस कर रहे थे तभी तेज रफ्तार थार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के समय थार गाड़ी गलत साइड से आ रही थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर लगते ही बुजुर्ग दूर जाकर गिर पड़े। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत ट्रैफिक पुलिस और भिलाई-3 थाना स्टाफ को सूचना दी।

कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल ईश्वर राव को रायपुर एम्स ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।

लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही और नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए। बताया गया कि थार गाड़ी नंबर ष्टत्र 04 क्कङ्ग 6888 पहले भी ओवरस्पीडिंग के दो चालान कट चुकी है, फिर भी उस पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नियमों का पालन कराया जाता तो शायद यह हादसा टल सकता था। पुलिस ने थार गाड़ी को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं था और गलत साइड से आने के कारण हादसा हुआ।

इंस्टाग्राम में युवती से दोस्ती कर 40 लाख से अधिक की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सोशल मीडिया के जरिए ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक युवक ने इंस्टाग्राम पर पहले एक युवती से दोस्ती की, फिर उसके परिवार का विश्वास जीतकर करीब 40 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी को अंजाम दे डाला। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और लाखों की संपत्ति जब्त की है।

यह मामला छावनी थाना क्षेत्र का है। शिकायत नंदिनी रोड, भिलाई निवासी राजकुमार गुप्ता ने दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी से इंस्टाग्राम के माध्यम से तुषार गोयल (21 वर्ष), निवासी शिक्षक नगर, दुर्ग ने संपर्क किया। धीरे-धीरे उसने पूरा परिवार का विश्वास हासिल कर लिया और

गहनों व बैंक डिपॉजिट की जानकारी लेकर ठगी कर दी। पीड़ित परिवार से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी तुषार ने उनके घर से 2 नेकलेस, 2 चैन, 3 पुरुषों की अंगूठियां, 4 चुड़ियां, 3 महिलाओं की अंगूठियां, 1 मंगलसूत्र, 1 जोड़ी झुमके, 5 जोड़ी टॉप्स, 1 डायमंड पेंडेंट वाली चैन और 1 नथनी लेकर चुपचाप गायब हो गया। इसके अलावा, राजकुमार गुप्ता और उनकी पत्नी मंजू गुप्ता के नाम से बैंक में जमा करीब 26 लाख रुपये की फिक्स डिपॉजिट राशि भी आरोपी ने धोखाधड़ी से निकलवा ली। इतना ही नहीं, आरोपी ने प्रार्थी और उनकी पुत्री के नाम पर 4 दोपहिया वाहन और मोबाइल फोन भी फाइनेंस करा लिए। छावनी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि तुषार लगातार किराए के मकान बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर 165 ग्राम सोने-चांदी के गहने (मूल्य लगभग 18 लाख रुपये) और चार दोपहिया वाहन जब्त किए गए। बरामद कुल सामग्री की कीमत 23 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ और सबूतों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तुषार गोयल को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। मामले की जांच अब भी जारी है, और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं आरोपी ने अन्य लोगों को भी इसी तरह शिकार तो नहीं बनाया।

फ्री में शराब मांगी तो जहर पिला दिया, 2-युवकों की मौत

आरोपी बोले- रोज धमकाते थे, इसलिए सुनार से सुहागा लेकर बोतल में मिला दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में फ्री में शराब मांगने पर दुकानदार ने सुहागा (बोरैक्स) पिलाकर 2 युवकों को मार डाला। शराब पीने के आधे घंटे के अंदर दोनों युवकों की मौत हो गई थी। सभी को लगा कि जहरीली शराब पीने के कारण मौत हुई है। लेकिन पुलिस की जांच में पता चला कि ये सोची-समझी साजिश थी। मामला बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम करही का है। पुलिस ने मंगलवार को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक, मुख्य आरोपी भोला टंडन उर्फ सुरेंद्र (25) गांव में अवैध तरीके से शराब बेचता था। दोनों युवक रोज उसके पास जाकर फ्री में शराब मांगते थे, नहीं देने पर पुलिस को बताने की धमकी देते थे।

इससे परेशान होकर भोला ने चचेरे भाई अनिल टंडन (35) से सुहागा मंगाया। अनिल सुनार के पास गया और खुद को बैगा बताकर सुहागा लिया। सुहागा मेटल जोड़ने के काम आता है। आरोपियों को पता था कि इसे शराब में मिलाने पर केमिकल रिएक्शन होता है। जिससे यह जहर का काम करता है। दरअसल, 15 सितंबर को सूरज यादव और

मनोज कश्यप बेहोशी की हालत में पड़े मिले थे। मौके से शराब की बोतल भी मिली थी। परिजन उन्हें इलाज के लिए सारंगढ़ के एक प्राइवेट अस्पताल ले गए थे। जहां इलाज के आधे घंटे के भीतर दोनों की मौत हो गई थी। सारंगढ़ थाना पुलिस ने जीरो में मर्ग कायम कर केस डायर बिर्रा थाने को ट्रांसफर किया।

बिर्रा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। गांव में जाकर पुलिस ने लोगों से पूछताछ की। पता चला की भोला ब्लैक में शराब बेचता है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, लेकिन उसने नकार दिया। बाद में पुलिस को सूचना मिली कि उसने अपने मोबाइल की सिम तोड़कर फेंक दिया है। शक गहराने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की। उसने चचेरे भाई के साथ मिलकर वारदात का अंजाम देना स्वीकार किया। जिसके बाद पुलिस ने उसके चचेरे भाई को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ में बताया कि दोनों युवक रोज आते और फ्री में शराब मांगते थे। शराब नहीं देने पर पुलिस को सूचना देने की धमकी देते थे। जिसे लेकर कई बार विवाद हो गया था। युवकों के इस हरकत से परेशान होकर भोला ने चचेरे भाई से सुहागा मंगाया। चचेरे भाई ने सुनार के पास जाकर खुद को बैगा बताया और सुहागा लिया। जिसके बाद उसे शराब में मिला दिया गया।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ तहत धारा 103(1) BNS, 61(2), 123 BNS के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। इस मामले में स्कविजय कुमार पांडेय ने बताया कि बिर्रा थाना क्षेत्र में शराब सेवन से हुई 2 युवकों की मौत के मामले को गंभीरता से लिया। शुरुआती जांच में ही हत्या की आशंका सामने आई थी। हमारी साइबर टीम और बिर्रा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आरोपियों के कब्जे से सुहागा, रैपर और एक बड़ा सूजा बरामद किया है। सुहागा मेटल को जोड़ने का काम करता है। जिसका इस्तेमाल सोनार करते हैं। जिसे अंग्रेजी शराब में मिलाने पर केमिकल रिएक्शन होता है और जहर के रूप में काम करता है।

रायपुर में ट्रैक्टर और बाइक चोरी करने वाला हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में ट्रैक्टर और बाइक चोरी करने वाला एक आरोपी अरेस्ट हुआ है। पुलिस ने आरोपी के पास से 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 7 बाइक भी जब्त किया है। इस मामले में पुलिस में एक खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला कबीर नगर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, चंद्रकेश सिंह (49) निवासी हीरापुर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, 14 सितंबर को शाम 6 बजे अपना स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर-ट्रॉली को गाड़ी को घर के अंदर ताला लगाकर खड़ी किया था। 15 सितंबर की सुबह चोर ने ताला तोड़कर गाड़ी चोरी कर ली थी।

इस मामले में शिकायत करने के बाद पुलिस आरोपी की खोजबीन में जुट गई। पुलिस को जानकारी मिली कि मुकेश साहू

नामक व्यक्ति चोरी का ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका तरफ लेकर जा रहा है। पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ करने पर अलग-अलग स्थानों से 4 ट्रैक्टर और 7 बाइक चोरी करना बताया। जिसमें से 3 ट्रैक्टर और 4 बाइक को कुम्हारी के हरजीत सिंह उर्फ रिंकू को बेचना बताया। एक ट्रैक्टर को वेदांत वाटिका और 3 बाइक अपने घर में छुपा कर रखना बताया। पुलिस ने आरोपी हरजीत सिंह उर्फ रिंकू को भी गिरफ्तार किया है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

- मुख्यमंत्री ने आदि सेवा पर्व पखवाड़ा का किया शुभारंभ
- 8370 विद्यार्थियों को 6.2 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति व भोजन सहायता राशि ऑनलाइन जारी

आदि कर्मयोगी लाएंगे जनजातीय गांवों में जमीनी बदलावः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित सड्डू के प्रयास आवासीय विद्यालय में आदि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान जनजातीय गांवों के जमीनी बदलाव की दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके शतायु एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनजातीय गांवों का ट्राइबल विजन डाक्यूमेंट 2030 तैयार किया जाएगा, जो दीर्घकालीन विकास का रोडमैप बनेगा। आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित ग्राम सभाओं में इसका अनुमोदन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के धार से इस अभियान का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य जनजातीय गांवों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। इसके तहत ऐसे वालंटियर चिन्हांकित किए जाएंगे जो गांव की बेहतरी के लिए विजन रखते हों और उसे जमीनी स्तर पर लागू कर सकें। देशभर में 20 लाख वालंटियर तैयार करने का लक्ष्य है, जिनमें से छत्तीसगढ़ के 6,650 गांवों में 1 लाख 33 हजार वालंटियर तैयार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने आदि सेवा केंद्रों की स्थापना भी की है, जहां ग्रामीण शासन की सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे और अपनी शिकायतें भी दर्ज कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे देश की जनजातीय विरासत गौरवशाली रही है। राज्य सरकार शहीद वीरनारायण सिंह और गुंडाधुर जैसे जनजातीय नायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रही है। नवा रायपुर में जनजातीय नायकों की स्मृतियों को सहेजने के लिए म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। वहीं ट्राइबल म्यूजियम में छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति की सुंदर

झलक प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जनजातीय गांवों के लिए पीएम जनमन योजना तथा धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान के अंतर्गत दिए गए बजट के अनुरूप तेजी से कार्य हो रहा है। जिन क्षेत्रों तक विकास की गति अभी पूर्ण रूप से नहीं पहुँची है, वहाँ अब आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से प्रत्येक घर तक विकास पहुँचाया जाएगा और समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का परिणाम है। इसके माध्यम से देश के 11 करोड़ से अधिक आदिवासियों के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश ही नहीं, बल्कि दुनिया में लोकप्रिय नेता और नए भारत के निर्माता प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयास से ही 2047 तक विकसित भारत का संकल्प अवश्य पूरा होगा। हमारी सरकार सेवा, समर्पण और मिशन मोड पर आदि कर्मयोगी अभियान को आगे बढ़ा रही है। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं और आदि कर्मयोगी अभियान से जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा ने विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश के 6,650 गांवों में 1 लाख 33 हजार आदि साथी व आदि सहयोगी तैयार किए जा रहे हैं। ये सहयोगी आदिवासी परिवारों से उनकी भाषा में संवाद कर उनकी समस्याओं व अपेक्षाओं को समझेंगे और विकास की दिशा तय करने में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी राज्योत्सव तक 50 हजार आदि कर्मयोगी तैयार करने का लक्ष्य है। साथ ही, शिष्यवृत्ति प्रदाय की समय-सीमा तय कर दी गई है ताकि विद्यार्थियों को राशि समय पर उनके खातों में प्राप्त हो सके।

6.2 करोड़ की राशि अंतरित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आदि सेवा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास तथा पिछड़ा वर्ग विभाग की योजनाओं के तहत प्रदेश के आश्रम-छात्रावासों में निवासरत 8,370 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं भोजन सहायता योजना की राशि 6 करोड़ 2 लाख 19 हजार 270 रुपये का ऑनलाइन अंतरण उनके खातों में किया।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 के तहत पौधरोपण

मुख्यमंत्री साय ने प्रयास आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम 2.0 के अंतर्गत जामुन का पौधा रोपा। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने पेंटिंग व रंगोली प्रदर्शित की, जिनका मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया और बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को उनके चित्र की पेंटिंग भेंट की।

मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों के साथ किया भोजन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रयास आवासीय विद्यालय सड्डू में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के छात्र किशन बैगा और छात्रा अंजुला बैगा को अपने बगल में बैठाकर विद्यार्थियों के साथ भोजन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ मुनगा की सब्जी, पूड़ी और दाल-भात का स्वाद लेते हुए उनसे आत्मीय बातचीत की। किशन ने बताया कि वह मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के लाखनटोला गांव का निवासी है और प्रयास विद्यालय सड्डू में कक्षा 11वीं में अध्ययनरत है। मुख्यमंत्री ने उससे गांव में प्रधानमंत्री जनमन योजना के कार्यों के बारे में पूछा। कक्षा 12वीं की छात्रा अंजुला ने बताया कि वह देवगढ़ गांव (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) की रहने वाली है और जीव विज्ञान विषय लेकर पढ़ाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने दोनों को मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

मुख्यमंत्री साय खारुन मईया समरसता भव्य महाआरती में हुए शामिल
महाआरती में मंत्रोच्चार से गूंजा खारुन नदी का महादेव घाट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शाम महादेव घाट, रायपुर में आयोजित खारुन मईया समरसता भव्य महाआरती में शामिल हुए। इस भव्य आयोजन का संयुक्त रूप से आयोजन सनातन ध्वज वाहिनी एवं महिला मोर्चा द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर खारुन नदी तट पर 21 सौ दीपों का दीपदान भी किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश का गौरव पूरी दुनिया में बढ़ा है। वे आज आधुनिक भारत के शिल्पकार हैं और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसका लाभ देश की 140 करोड़ जनता को मिल रहा है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उसके अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य का दर्जा

दिलाने के लिए हमारी डबल इंजन की सरकार दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ हर मोर्चे पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि साध्वी प्रज्ञा भारती के नेतृत्व में चंद्रपुर स्थित महानदी तट पर गंगा आरती की शुरुआत हुई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। उस आरती में वे स्वयं उपस्थित रहे। इसके बाद रायगढ़ की केलो नदी में भी गंगा आरती प्रारंभ हुई, जो नदी संरक्षण की दिशा में एक उत्कृष्ट पहल है। उन्होंने खारुन नदी में भी समय-समय पर गंगा आरती आयोजित करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। साथ ही उन्होंने पूरे प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयंती की भी शुभकामनाएँ दी तथा इस भव्य आयोजन के लिए सनातन ध्वज वाहिनी एवं महिला मोर्चा के सदस्यों की सराहना की।

रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि नदियों की आरती हमारी आस्था का प्रतीक है। इसके माध्यम से हम नदियों से जुड़ते हैं और उनके संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाते हैं। यह परंपरा नई नहीं, बल्कि सदियों से हमारे सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा रही है। नदियाँ आदि काल से ही हमारी आस्था और संस्कृति का प्रमुख केंद्र रही हैं। सांसद अग्रवाल ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर पूज्य साध्वी प्रज्ञा भारती, रायपुर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू, महापौर मीनल चौबे, अपेक्स अध्यक्ष केदार गुप्ता, नॉन अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया दीदी ई-रिक्शा चालक भुनेश्वरी साहू एवं मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के हितग्राही मनोज साहू से संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के उत्थान के लिए लगातार उन्हें आर्थिक मदद दी जा रही है। इसी सिलसिले में आज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रमिक महासम्मेलन में मुख्यमंत्री ने दीदी ई-रिक्शा चालक भुनेश्वरी साहू और मनोज साहू से संवाद किया।

मुख्यमंत्री साय ने रेजा श्रमिक भुनेश्वरी उनकी जीवन यापन के संबंध में जब पूछा तो मोवा रायपुर निवासी भुनेश्वरी ने बताया कि वे पहले रेजा कुली के काम करती थी। इसी दौरान उन्हें दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के बारे में जानकारी मिली। अब वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण और बच्चों के परिवरिश ठीक से कर रही है। भुनेश्वरी ने बताया कि उनके बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी अच्छी चल रही है। उन्होंने सरकार की इस महती योजना के लिए मुख्यमंत्री साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी प्रकार राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड के मनोज कुमार साहू ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए कहा कि मेरी दो बच्ची है। बड़ी बेटी भूमिका साहू कक्षा 10 वीं के टॉप 10 में अपना स्थान बनाया है। श्रम विभाग द्वारा संचालित योजना से मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना का लाभ मिल जिसके अंतर्गत 1 लाख रूपए एवं स्कूटी के लिए अलग से सहायता राशि मिली। इसके लिए मैं प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के प्रति हृदय से धन्यवाद प्रकट करता हूं।

श्रमवीर समाज की रीढ़ हैं, उनके योगदान से ही विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने 1.84 लाख श्रमिकों को 65 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की, पंजीकृत श्रमिकों के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित श्रमिक महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के निर्माण और विकास में श्रमवीरों की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि श्रमवीर समाज की रीढ़ हैं और उनके योगदान से ही विकसित छत्तीसगढ़ तथा विकसित भारत का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री साय ने श्रमिकों के परिश्रम और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि श्रमवीरों के उत्साह और भागीदारी से प्रदेशवासियों के सपने पूरे होंगे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ दीं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

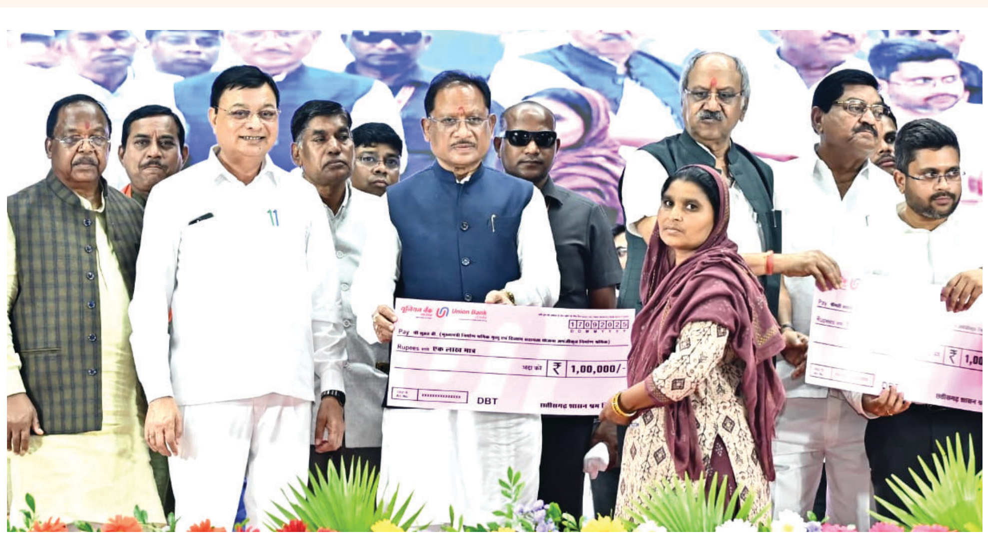

मुख्यमंत्री देव साय ने प्रदेशभर के मेहनतकश श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया। उन्होंने घोषणा की कि दीदी ई-रिक्शा योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये की जाएगी। इसी प्रकार मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना के अंतर्गत श्रमिकों को मकान निर्माण के लिए दी जाने वाली सहायता राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये की जाएगी। साथ ही, पंजीकृत श्रमिकों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का संपूर्ण खर्च अब श्रम विभाग द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया और बीते 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनहितैषी कार्यों से प्रदेश के विकास को नई गति दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर हम सभी श्रमवीरों के परिश्रम को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है—चाहे वह स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा हो या आवास और औजारों की सुविधा, सरकार हर कदम पर श्रमिकों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि आज 1 लाख 84 हजार 220 श्रमिकों के खातों में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं—दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, निर्माण श्रमिक मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना, छात्रवृत्ति योजना आदि के अंतर्गत 65 करोड़ 16 लाख 61 हजार रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता हमारी सरकार की पहचान है। किसानों और श्रमिकों का पैसा सीधे उनके खातों में पहुँच रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल से श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है। अब अपंजीकृत श्रमिक की कार्यस्थल पर मृत्यु होने पर भी एक लाख रुपये की सहायता राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'श्रमेव जयते' वेबसाइट और हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा पर जोर देते हुए "अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना" और श्रमिकों के बच्चों के लिए आईआईटी, जेईई, नीट एवं सीए जैसी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली में यूपीएससी की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए 'ट्राइबल हॉस्टल' की सीटें 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई हैं। इस अवसर पर श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि श्रमिकों की देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज श्रमिक महासम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदेश के 1.84 लाख श्रमिकों के खातों में 65.16 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और राज्य सरकार प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरी निष्ठा से पूरा कर रही है। श्रम विभाग के तीन मंडलों के माध्यम से 72 योजनाएँ संचालित हो रही हैं, जिनका लाभ लगातार श्रमिक भाई-बहनों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री श्री साय ने अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में चयनित बच्चों से भेंट की थी और घोषणा की थी कि अगले शैक्षणिक सत्र से इस योजना में सीटें 100 से बढ़ाकर 200 कर दी जाएँगी।

समारोह में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मुणत, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त चौबे, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, श्रम विभाग के सचिव हिम शिखर गुप्ता, संयुक्त सचिव फरिहा आलम, अपर आयुक्त श्रम एस.एल. जांगड़े, सविता मिश्रा, छत्तीसगढ़ भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के सचिव गिरीश रामटेके सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950